



हरिभूमि रायपुर न्यूज



सात महीने से बिना मरीजों के सूना है वार्ड

मरीजों के बगैर चल रहा केंद्र सरकार का कुष्ठ अस्पताल, आवश्यकता नहीं फिर भी नर्सों की संविदा नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

केंद्र सरकार का लालपुर स्थित आरएलटीआरआई का कुष्ठ अस्पताल पिछले सात महीने से बिना मरीजों के चल रहा है। यहां गंभीर मरीजों के भर्ती के लिए करीब 75 बेड हैं, मगर मरीजों की संख्या शून्य है। यहां इमरजेंसी सेवाएं भी नहीं दी जा रही हैं, मगर नर्सिंग स्टाफ की संविदा आधार पर अनावश्यक भर्ती की गई है। यहां मरीजों के लिए इमरजेंसी सेवाओं का

लालपुर के क्षेत्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र का हाल-बेहाल



अतिरिक्त सचिव ने देखा खाली बेड

समीक्षा कार्यक्रम में शामिल होने आई केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन संचालक आराधना पटनायक ने संस्थान का दौरा किया। इस दौरान वे अस्पताल के खाली वार्डों में भी निरीक्षण के लिए पहुंचीं। बिना मरीजों के तीनों वार्डों को देखकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए। क्षेत्रीय कुष्ठ अनुसंधान केंद्र की सुविधाओं के विस्तार के लिए काफी समय से डिमांड की जा रही है, मगर इस ओर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सिस्टम नहीं है, वहीं ओपीडी में आने वाले मरीजों को रक्त जांच और एक्स-रे जैसी सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता है। कुष्ठ मरीजों के बेहतर उपचार और इस बारे में अनुसंधान के लिए लालपुर में 45 साल पुराने रीजनल लेप्रोसी ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट मरीजों के इलाज को लेकर हमेशा चर्चा में रहा है। यहां सुविधाओं के साथ मरीजों की भारी कमी है। सूत्रों के अनुसार मरीजों की रक्त जांच एवं एक्स-रे के साथ बेहतर उपचार के लिए यहां आवश्यक रिसर्च भी कई वर्षों से बंद है। यहां मरीजों के इलाज के लिए तीन वार्डों में 75 बेड मौजूद हैं,

जहां पिछले सात महीने से मरीज के भर्ती होने का इंतजार है। नियम के मुताबिक यहां नर्सिंग स्टाफ की भर्ती संविदा आधार पर आवश्यकता के मुताबिक की जानी थी, मगर बिना जरूरत अधिक संख्या में नर्सिंग स्टाफ की भर्ती कर ली गई। जानकारों का दावा है कि बिना मरीज वाले इस अस्पताल में दो नर्सिंग स्टाफ नियमित रूप से कार्यरत हैं, जो जरूरत के हिसाब से पर्याप्त हैं। चूंकि यहां इमरजेंसी इयूटी नहीं होती, इसलिए अनावश्यक रूप से संविदा नर्सिंग स्टाफ की भर्ती की उच्चस्तरीय जांच किए जाने की आवश्यकता है।

छुट्टियों के बाद दिल्ली, मुंबई से लौटने वाली ट्रेनों में 'नो-रूम', उत्तर-दक्षिण भारत जाने कन्फर्म बर्थ

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

गर्मी की छुट्टियां अब लगभग खत्म होने को हैं और दूसरे राज्यों में छुट्टियां मनाने गए लोग बड़ी संख्या में रायपुर और छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों की ओर लौट रहे हैं। इसके कारण दूसरे राज्यों से आने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में यात्रियों को लंबी वेंटिंग का सामना करना पड़ रहा है और पैर रखने तक की जगह नहीं है। दिल्ली, मुंबई, जोधपुर समेत सूरत की ओर से रायपुर के लिए ट्रेनों में 10 से 15 दिनों की लंबी वेंटिंग बनी हुई है। समता, छत्तीसगढ़, हावड़ा- अहमदाबाद, समेत गोंडवाना, पुरी- अहमदाबाद जैसी लंबी दूरी की ट्रेनों में नो रूम जैसी स्थिति बनी रही है। राहत की खबर यह है कि छत्तीसगढ़ से उत्तर और दक्षिण भारत ►►शेष पेज 15 पर

दक्षिण भारत के प्रमुख महानगरों व तीर्थ स्थलों की ओर जाने वाली बरौनी एक्सप्रेस, सारनाथ, कानपुर एक्सप्रेस में सीट खाली

उत्तर भारत के प्रमुख गंतव्यों के लिए मिल रही बर्थ

उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने स्थिति स्पष्ट की है। गोदिया-बरोनी एक्सप्रेस में 13 जून, सारनाथ एक्सप्रेस में 16 जून और चित्रकूट धाम मार्ग से जाने वाली दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस में 16 जून से कन्फर्म बर्थ मिल रहे हैं। इसके अलावा, प्रयागराज व वाराणसी मार्ग से जाने वाली दुर्ग-नौतवा एक्सप्रेस तथा अयोध्या मार्ग से जाने वाली दुर्ग-नौतवा एक्सप्रेस, दोनों ही ट्रेनों में 19 जून से आसानी से सीटें उपलब्ध हैं। वहीं, चित्रकूट धाम होकर जाने वाली रायपुर-लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस में 23 जून से कन्फर्म टिकट प्राप्त किया जा सकता है।



दक्षिण भारत जाने वाली ट्रेनों में भी पर्याप्त जगह

महानगरों और दक्षिण भारत के शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी स्थिति काफी सुविधाजनक है। कांचीगुड़ा मार्ग से जाने वाली बिलासपुर-रेलहंका, बैंगलूर स्पेशल एक्सप्रेस में 17 जून से, बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस में 21 जून से और बिलासपुर-धनकुलम एक्सप्रेस में 22 जून से कन्फर्म बर्थ उपलब्ध हैं। इसी तरह, बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस में 23 जून से और बिलासपुर-तिरुवनंतपुरम सेट्रल एक्सप्रेस में 24 जून से सीटें खाली हैं। भगवान बालाजी के दर्शन की इच्छा रखने वाले यात्री रायपुर और विशाखापट्टनम होकर जाने वाली बिलासपुर-तिरुपति एक्सप्रेस में 30 जून से कन्फर्म टिकट बुक करा सकते हैं।

ऑनलाइन बुकिंग और ई-कैटरिंग की भी सुविधा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अंतिम समय की मीड और वेटिंग के तनाव से बचने के लिए रेलवे के आरक्षण काउंटरों, अधिकृत एजेंटों या ऑनलाइन माध्यमों से समय रहते अपनी टिकट आरक्षण करा लें। इसके साथ ही, सफर को और अधिक आरामदायक बनाने के लिए यात्री आईआरसीटीसी की ई-कैटरिंग सेवा का लाभ उठाकर सीधे अपनी सीट पर प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट्स से अपना मनपसंद भोजन भी मंगा सकते हैं।

ओडिसा पहुंचा मानसून छत्तीसगढ़ में दस्तक जल्द



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून प्रवेश एक-दो दिनों के अंतराल में होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल, बिहार सहित ओडिसा व झारखंड के कुछ भाग में शुक्रवार को पहुंच गया। मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां फिलहाल सामान्य बनी हुई हैं।

इसके पहले बुधवार रात तक रुक-रुककर होती रही बारिश का असर तापमान पर भी दिखा। गुरुवार को राजधानी रायपुर का तापमान 37.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहा। यह प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा, जबकि 42 डिग्री के साथ राजनांदगांव सर्वाधिक गर्म रहा। ►►शेष पेज 15 पर

वज्रपात की चेतावनी

सीजनल द्रोणिका मध्य पकिस्तान से दक्षिण गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक उत्तर राजस्थान, उत्तर मध्य प्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़ और झारखंड होते हुए मध्य समुद्र तल पर स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिचरण दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और उसके आसपास 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। 13 जून को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छिट पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात की चेतावनी भी मौसम विभाग ने जारी की है। अधिकतम तापमान में हल्की गिरावट के साथ कोई विशेष परिवर्तन फिलहाल नहीं होगा।

खबर संक्षेप

डंपर ने बाइक को ठोका युवक की मौत

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के राजभवन के पास बुधवार तड़के 3-4 बजे एक तेज रफ्तार डंपर की ठोकर लगने से बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार एक अन्य युवक घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक, डंपर सीजी-13 एआर-3315 के चालक ने लापरवाही से तेज रफ्तार गाड़ी चलाते हुए मूलतः मध्यप्रदेश के रहने वाला संजय सेंन की बाइक को ठोकर मार दी। संजय अपने एक अन्य साथी गुरजीत सिंह उर्फ मक्खन सिंह के साथ सैर करने निकला था। इस दौरान डंपर चालक ने बाइक को पीछे से ठोकर मार दी। सूने मकान में धावा, दो लाख से ज्यादा की चोरी

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नकदी सहित दो लाख रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। सत्यम विहार कॉलोनी निवासी श्यामा राय ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। श्यामा ने पुलिस को बताया कि एक सप्ताह पूर्व 6 जून को सुबह उसके साथ उसका पति और बेटा सभी काम पर चले गए। इस दौरान अज्ञात चोर मकान में छत के रास्ते घुसकर घर की आलमारी तथा बिस्तर के नीचे रखे जेवर तथा नकदी चोरी कर ले गए।

नशे में धुत युवक का मोबाइल और दोपहिया पार रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने अज्ञात चोर के खिलाफ आईफोन तथा दोपहिया चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। संतोषी नगर, प्रगति विहार कॉलोनी निवासी मोहम्मद वसीम ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। वसीम ने पुलिस को बताया कि शराब पीने से नशा ज्यादा होने की वजह से वह मिश्रा होटल के पास सो गया।

जिला प्रशासन ने ऑयल कंपनियों के डीलर्स से की चर्चा लंबी दूरी की बसों को अब पंपों से नहीं मिलेगा डीजल पेट्रोल, पूर्व की तरह बल्क पंप से खरीदना होगा

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

लंबी दूरी की यात्री बसों को अब आम जनता के लिए संचालित पेट्रोल पंपों से डीजल-पेट्रोल नहीं मिलेगा। बस ट्रैवलर्स मालिकों को बल्क पंप से ही निर्धारित कीमत पर डीजल एवं पेट्रोल क्रय करना होगा। अब तक बस ट्रैवलर्स के संचालक पैसे बचाने के लिए बल्क पंप की जगह आम जनता के लिए खोले गए पेट्रोल पंपों से बल्क में डीजल एवं पेट्रोल की खरीदी कर रहे हैं। इसके कारण आए दिन कई पेट्रोल पंप में ड्राई की स्थिति बन रही है, जिससे आम व्यक्ति को वाहन में डीजल एवं पेट्रोल भराने के लिए एक से दूसरे पेट्रोल पंप में भटकना पड़ रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए शुक्रवार को जिला प्रशासन ने सभी ऑयल कंपनियों के ►►शेष पेज 15 पर



30 रुपए महंगा, इसलिए चिलहर पंपों से खरीदी कर रहे बस मालिक

अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति कम हो गई है। इसके कारण डीजल-पेट्रोल की कीमतों में भी भारी इजाफा हुआ है। हालांकि आम लोगों को जिस कीमत पर पेट्रोल-डीजल मिल रहा है, उसकी तुलना में औद्योगिक एवं व्यावसायिक वाहकों की 30 रुपए अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। चिलहर पंपों में पेट्रोल प्रति लीटर 108 रुपए एवं डीजल 101 रुपए है, वहीं बल्क पंपों में पेट्रोल प्रति लीटर 138 रुपए एवं डीजल 131 ►►शेष पेज 15 पर

अधिकतम 200 लीटर मिलेगा

केंद्र सरकार की जारी अधिसूचना के परिपालन में सभी ऑयल कंपनियों के डीलरों की बैल्क ली गई। इसमें सख्त निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी चिलहर पेट्रोल पंप में अब अधिकतम 200 लीटर डीजल-पेट्रोल वितरित किया जाए। औद्योगिक, व्यवसाय से जुड़े वाहकों को यहां तक लंबी दूरी की बसों को बल्क पंप से ही डीजल-पेट्रोल खरीदना होगा।

- कीर्तिमान सिंह राठौर

अपर कलेक्टर, रायपुर

निर्देश का पालन करेंगे

जिला प्रशासन ने सभी ऑयल कंपनियों के डीलरों की बैठक ली। इसमें जो भी निर्देश दिए गए हैं, उसका पालन करेंगे।

- अखिल धवत

अध्यक्ष, पेट्रोल पंप एसोसिएशन

हरिभूमि & inh

Presents

SUNDAY MOVIE MASTI 2026

14 जून 2026

श्याम टॉकिज पर सुबह 8.00 बजे

QR Code स्कैन करें
Instagram पर हमें फॉलो करें
और पाएं FREE Movie Ticket +

SHYAM TALKIES RAIPUR

Supported by

avinash
a relation for life

SINGHANIA
BUILDCON GROUP
Building lifestyle since 1993

MAGIC
PAINTS

Narayana | MMI
Health

SHREE
NARAYANA
HOSPITAL
Quality Health Care For All

Shree Balaji
BUILDERS

SHRI
SWASTIK
GROUP

Raheja
Group

Harshit
Singhanian Buildcon

KALANGA
UNIVERSITY

JAIKA AUTOMOBILES
& FIN. PVT. LTD.

SHIVNATH
HYUNDAI

Ralas Motors
G.E. Road, Tatibandh, Raipur

SKY
AUTOMOBILES
SINCE 1987

SINGHANIA
SAROVAR PORTICO
raipur
A SAROVAR HOTEL

NMH
NATIONAL MEDICAL
HOSPITAL

MAHA
PLUS 21
आपके हक की बात

KPC
KHANDELWAL POLY CLINIC

BAWARCHI
RESTRO

NEW
MIRA
Bakery
Pure Vag, Pure Emotions
Since 1985

सीमित सीटें पहले आयें, पहले पायें- मुफ्त टिकट

इस कूपन में अपनी जानकारीयां भरकर **हरिभूमि** कार्यालय पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड में शनिवार सुबह 08.00 बजे से 10.00 बजे तक लायें तथा अपना मुफ्त टिकट पायें।

नाम :		
मोबाईल :	दिनांक : 14.06.2026	फिल्म : धनेश के आराधना
पता :		

खबर संक्षेप

तहसील साहू संघ की बैठक कल होगी

अभनपुर। तहसील साहू संघ अभनपुर के हाल ही में संपन्न निर्वाचन एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के गठन के पश्चात संगठन की एक विशेष बैठक 14 जून रविवार को तहसील भवन बेलगाठा में रखा गया है। तहसील साहू संघ अभनपुर के मीडिया संयोजक धासु राम साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी साथ ही समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक प्रकरणों एवं समस्याओं के निराकरण पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

रतन सोलंकी बने धरसीवा ब्लॉक इटुक के अध्यक्ष
सिलयारी। 11 जून ईंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (INTUC) छत्तीसगढ़ प्रदेश शाखा द्वारा संगठनात्मक विस्तार के तहत रायपुर जिला मजदूर कांग्रेस के धरसीवा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर रतन सोलंकी की नियुक्ति की गई है। नियुक्ति आदेश रायपुर जिला INTUC अध्यक्ष आशोष दुबे द्वारा प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अनुशंसा पर जारी किया गया। रतन सोलंकी इससे पूर्व धरसीवा विधानसभा युथ कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। जारी आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा, जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, अन्य पिछड़ा वर्ग कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल, ब्लॉक कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष आशोष वर्मा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष मंजु वर्मा, पूर्व युथ कांग्रेस अध्यक्ष रूपाक्ष बघेल, कुंरा नगर पंचायत उपाध्यक्ष राजा भाई सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुछ रोग के शून्य संक्रमण लक्ष्य पर राजधानी में दो दिवसीय रायपुर। राष्ट्रीय कुछ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत कुछ रोग के संक्रमण को पूर्णतः समाप्त करने तथा “जिरो ट्रांसमिशन” के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नया रायपुर में 2 दिवसीय क्षेत्रीय समीक्षा एवं रणनीतिक कार्ययोजना हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन संचालक आराधना घटनायक, सचिव स्वास्थ्य, छत्तीसगढ़ अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं सह मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़संजीव कुमार झा, कुछ रोग प्रकोष्ठ के उप महानिदेशक डॉ. सुनील वी. मिट्टे सहित महाराष्ट्र, आडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश के मिशन संचालक, राज्य कुछ अधिकारी व क्षेत्रीय निदेशक उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट में मनाया जाएगा 15 को यात्री सुविधा दिवस
रायपुर। देशभर के विमानतलों पर 15 जून को यात्री सुविधा दिवस मनाया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देश पर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट की आधुनिक सुविधाओं, पिछले 12 वर्षों में हुए विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

रायपुर, शनिवार 13 जून 2026

भाजपा सरकार के विकास कार्यों से हर वर्ग के हितों का पोषण हो रहा

हरिभूमि न्यूज

क्षेत्रीय विकास और सामाजिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए कैबिनेट मंत्री एवं आरंग के क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने आरंग नगर पालिका क्षेत्र को एक नई सौगात दी है।

उन्होंने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी चौक स्थित श्री हरदेव लोधी समाज भवन परिसर में पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। लोधी समाज द्वारा लंबे समय से परिसर के सौंदर्यीकरण एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार हेतु पेवर ब्लॉक लगाने की मांग की जा रही थी, जिसे मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने तत्परता से पूरा किया। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गुरु

लोधी समाज भवन में पेवर ब्लॉक कार्य भूमिपूजन कार्यक्रम में मंत्री खुशवंत गुरु शामिल हुए



ये भी रहे शामिल

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, श्री हरदेव लोधी समाज के अध्यक्ष शैलेंद्र लोधी, उपाध्यक्ष टुकेश्वर लोधी, सचिव संजय लोधी, कोषाध्यक्ष शांतिलाल लोधी, सलाहकार गजानंद लोधी एवं शत्रुघ्न लोधी, स्थानीय पार्षदगण नरेंद्र लोधी, संतोष लोधी, पुष्कर साहू, गोलू कंडरा, उमाकांत यादव एवं पार्षद प्रतिनिधि राकेश सोनकर, विक्रम परमार, राकेश शर्मा, तोषण साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण कुमार भारद्वाज, नगर पालिका इंजीनियर हरीश मांडवी सहित सामाजिकजन उपस्थित रहे।

कन्हैरा चारागाह विवाद: उद्योगपतियों के सब-स्टेशन के लिए सरकार की जबरदस्ती?

चारागाह भूमि के अवैध कब्जे पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार व बिजली विभाग को नोटिस

हरिभूमि न्यूज

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने धरसीवा क्षेत्र के ग्राम कन्हैरा में चारागाह की भूमि पर शासन द्वारा किए जा रहे कथित अवैध कब्जे के प्रयास को गंभीरता से लिया है। न्यायालय की एकल पीठ के माननीय न्यायाधीश श्री रविंद्र कुमार अग्रवाल ने इस मामले में सज्ञान लेते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। माननीय न्यायालय ने राज्य शासन और विद्युत विभाग सहित संबंधित उत्तरदाताओं को नोटिस जारी कर इस पूरे मामले पर आगामी 29 जून 2026 तक तथ्यात्मक जवाब और शपथ-पत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

यह पूरा मामला किसान नेता और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंद्रशेखर शुक्ला द्वारा दायर याचिका (WPC संख्या 2852/2026) से जुड़ा है। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रजनीश सिंह बघेल ने न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किए। वहीं राज्य शासन (उत्तरदाता क्रमांक 1 से 4) का पक्ष उप महाधिवक्ता श्री विनय पांडे ने रखा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तरदाता क्रमांक 5 और 6 की ओर से अधिवक्ता श्री सचिन निधि उपस्थित हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तरदाताओं



के वकीलों ने जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने उन्हें दो सप्ताह का समय दिया है और मामले की अगली सुनवाई 29 जून 2026 से शुरू होने वाले सप्ताह में तय की है। इसके साथ ही त्वरित सुनवाई और ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान सुनवाई से जुड़े आवेदनों (आई.ए. नंबर 02 और 03) को भी निस्तारित कर दिया गया है।

मामले की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए किसान नेता चंद्रशेखर शुक्ला ने बताया कि ग्राम

कन्हैरा में स्थित यह चारागाह भूमि उनके पूर्वज स्वर्गीय श्री लोकनाथ शुक्ला एवं अन्य किसान परिवारों द्वारा गांव के मवेशियों के कल्याण के लिए स्वेच्छा से दान दी गई थी। यह भूमि आज भी शासकीय खातों और राजस्व रिकॉर्ड में उन्हीं के नाम पर दर्ज है। आरोप है कि शासन ने इस निजी और सार्वजनिक महत्व की कृषि भूमि को बिना किसी सहमति या अनुमति के छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टिब्यूशन कंपनी लिमिटेड यानी विद्युत विभाग को सौंप दिया।

विधायक शर्मा ने दबिश दी एवं शराब कोचिया पर कार्रवाई का निर्देश

हरिभूमि न्यूज

क्षेत्र में चल रहे घर-घर चलो अभियान के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बड़ा संदेश दिया। ग्राम बरौंडा पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक को गांव में लंबे समय से अवैध रूप से शराब बिक्री होने की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि इस अवैध कारोबार से गांव का माहौल खराब हो रहा है तथा युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विधायक अनुज शर्मा ने बिना किसी देरी के स्वयं मौके पर पहुंचकर अवैध शराब बेचने वाले के ठिकाने पर दबिश दी।

निरीक्षण के दौरान अवैध गतिविधियों की पुष्टि होने पर उन्होंने तत्काल खरोरा थाना प्रभारी से दूरभाष पर संपर्क कर संबंधित आरोपी के खिलाफ कड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि समाज को नष्तामुक्त बनाने और युवाओं को गलत रास्ते पर जाने से रोकने के लिए अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती से

ख़ास बातें

- थाना प्रभारी को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश
- अवैध कारोबार से गांव का माहौल खराब हो रहा है तथा युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा

अंकुश लगाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विधायक की इस त्वरित कार्रवाई का ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि द्वारा मौके पर पहुंचकर समस्या का सज्ञान लेने से लोगों में विश्वास बढ़ा है और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन भी इस मामले में तत्परता दिखाते हुए देशियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करेगा, जिससे गांव में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे।

दिव्यांग सर्वेक्षण के लिए मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण

आरंग। समग्र शिक्षा अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान एवं दिव्यांग सर्वेक्षण कार्य को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से विकासखंड खोत केंद्र आरंग में मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विकासखंड खोत केंद्र समन्वयक, सहायक बीईओ, बीआरपी, स्पेशल एजुकेटर सहित विकासखंड के सभी संकुल समन्वयक, समस्त पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग, समस्त मितानिन एम.टी. स्वास्थ्य विभाग व पंचायत इम्पेक्टर, जनपद पंचायत आरंग शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान स्पेशल एजुकेटर लोकेश साहू द्वारा प्रतिभागियों को दिव्यांगता के 21 प्रकारों की पहचान, सर्वेक्षण प्रक्रिया, प्रपत्रों के सही संधारण, पात्र बच्चों के चिन्हांकन, दिव्यांगता सहित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के डेटा संग्रहण, सर्वे टीम में मितानिन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व स्कूल शिक्षकों की भागीदारी तथा समयबद्ध रिपोर्टिंग संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही समावेशी शिक्षा अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न शैक्षिक एवं स्पेशल सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इसी तारतम्य में शुक्रवार को प्रशिक्षार्थियों को विकासखंड खोत केंद्र समन्वयक सुरेंद्र चन्द्रसेन ने दिव्यांग बच्चों की सही पहचान और समय पर सर्वेक्षण के माध्यम से उन्हें शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायक बनने हेतु सभी मास्टर ट्रेनर्स को अपने-अपने क्षेत्रों में क्लस्टर स्तर पर प्रशिक्षण का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने के दिशा-निर्देश दिए। बीआरपी श्रवण कुमार साहू एवं फिजियोथेरेपिस्ट प्रतिभा द्वारा प्रपत्र वितरण एवं उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वहीं विकासखंड स्तर पर टेलीफोनिक हेल्पलाइन कम्युनिकेशन की जानकारी भी प्रदान की गई।

मंत्री टंकराम के जन्मदिन पर मरीजों को फल एवं मिठाइयां किया वितरित

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के जन्मदिवस को भारतीय जनता पार्टी तिल्दा नेवरा के कार्यकर्ताओं ने सेवा और जनकल्याण के कार्यों के साथ मनाया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच फल और मिठाइयों का वितरण किया गया। साथ ही अस्पताल में जन्मे नवजात शिशुओं को आरामदायक एवं सुरक्षित उपयोग की सामग्री भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचकर सेवा करना ही सच्चे जनप्रतिनिधि और संगठन की पहचान है। कार्यकर्ताओं ने मंत्री टंकराम वर्मा के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना भी की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद प्रतिनिधि राम पंजवानी ने कहा कि “राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। मंत्री टंकराम वर्मा सदैव जनहित और विकास के कार्यों को प्राथमिकता देते रहे हैं। उनके



जन्मदिवस पर सेवा कार्यों के माध्यम से हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।”भाजपा महिला मोर्चा की शहर अध्यक्ष रानी सौरभ जैन ने कहा कि “अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा और सहायता पहुंचाना ही भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली का मूल मंत्र है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं।”इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राम पंजवानी, नरेंद्र शर्मा, रानी सौरभ जैन, बीपीएम ममता सुनानी, डॉ. एल.पी. साहू, बेबी गोस्वामी, आकांक्षा वैष्णव, सागर पंजवानी, सुधांशु शर्मा, अनिल वर्मा, राकी कमलानी, निक्कू जोतवानी, प्रियंक सोनी, दीपक चौधवानी, डॉ. गंधर्व, राजेश कटारिया, आदित्य तिवारी, अमरजीत पासवान, सोनू पंजवानी

सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं मंत्री टंकराम वर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर तिल्दा नेवरा के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। देवार मोहल्ला में भाजपा नेताओं महेश अग्रवाल, जिला मंत्री विकास कोटवानी, दीपक शर्मा, रिकू रमेश अग्रवाल और लक्ष्मीचंद नागवानी के नेतृत्व में केक काटकर मंत्री की दीर्घायु की कामना की गई। इस दौरान गरीब बच्चों को मिठाई, केक और कपड़ों का वितरण कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया गया।भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनसेवा, सामाजिक समरसता और जरूरतमंदों की सहायता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है तथा भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

तिल्दा में 14 को निः शुल्क कैंसर परामर्श शिविर होगा

तिल्दा नेवरा। तिल्दा-नेवरा। शहर के खुशी हॉस्पिटल में 14 जून को निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल स्वरूप सिंह (एमबीबीएस, एमडी) मरीजों को कैंसर के लक्षण, दुष्प्रभाव, उपचार के दौरान आने वाली चुनौतियों तथा उनके प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी देंगे। डॉ. राहुल स्वरूप सिंह ने बताया कि कैंसर का प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर अलग-अलग पड़ता है। समय पर विशेषज्ञ परामर्श मिलने से बीमारी के लक्षणों और उपचार से होने वाले दुष्प्रभावों का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार में मानसिक सहयोग, परिवार का साथ और सही

जानकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित देखभाल एवं सुगुलित जीवनशैली अपनाने पर मरीज अपने जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकते हैं। शिविर के दौरान मरीजों को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक प्रभावों की समझ, जीवनशैली, आहार एवं देखभाल संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। यह शिविर सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित होगा।अस्पताल प्रबंधन के अनुसार शिविर के बाद 28 जून को पुनः फॉलो-अप शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर केवल मरीजों के लिए एहिए। इच्छुक मरीज डॉक्टर से परामर्श के लिए खुशी हॉस्पिटल में अपनापंजीयन करा सकते हैं

धरसीवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के गौरवमयी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'घर-घर चलो अभियान' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में धरसीवा विधायकसभा के विधायक अनुज शर्मा ने क्षेत्र के ग्राम बंगोली, मोहरेंगा और बरौंडा का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से घर-घर जाकर सीधा संवाद स्थापित किया और केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार की जनहितेषी योजनाओं, ऐतिहासिक निणयों तथा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। विधायक ने ग्रामीणों को बताया कि कैसे आवास योजना, उज्ज्वला योजना और किसान सम्मान निधि जैसी नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचा रही हैं।

दौरे के दौरान विधायक अनुज शर्मा का एक बेहद आत्मीय और सहज रूप भी देखने को मिला, जब वे अचानक गांव के एक कुम्हार भाई के घर पहुंच गए। उन्होंने कुम्हार परिवार का कुशलक्षेम जाना और उनके



द्वारा बनाए जा रहे मिट्टी के बर्तनों व सामानों का अवलोकन किया। विधायक ने स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक कामगारों को बढ़ावा देने की बात कहते हुए उनकी कला की जमकर सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने गांवों के वरिष्ठ व बुजुर्ग जनों के घर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने बड़े-बुजुर्गों को शॉल ओढ़ाकर और फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा आगामी मासपून को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ उन्हें छाते

भी भेंट किए। ग्रामीणों और मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज अपने क्षेत्र के लोगों के बीच आकर उन्हें अपने परिवार जैसा महसूस हो रहा है। उन्होंने एक कार्यकर्ता के घर छत्तीसगढ़ी संस्कृति के अनुरूप सादगीपूर्ण भोजन करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि जो स्वाद और तृप्ति यहीं के प्रेम भरे भोजन में है, वह दुनिया के किसी बड़े होटल में नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार

शराब बिक्री ने तोड़ा 25 साल का रिकार्ड, एक माह में हजार करोड़ की बिक्री

रायपुर जिले में सबसे अधिक बिकी शराब, नारायणपुर में सबसे कम , भयंकर गर्मी भी पीने-पिलाने वालों पर नहीं डाल पाई कोई असर

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मई के महीने में जब सामान्य लोग भीषण गर्मी में तप थे,तब शायद पीने-पिलाने के शौकीनों पर ये गर्मी बेअसर साबित हो रही थी। यह बात हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि मई में छत्तीसगढ़ में एक हजार करोड़ रुपयों की शराब बिक्री हुई है।

बिक्री का यह एक ऐसा रिकार्ड है जिसने पिछले 25 साल का रिकार्ड तोड़ा है। खास बात ये है कि राज्य के 33 में से कई जिलों में रायपुर अकेला जिला है, जहां सबसे अधिक बिक्री हुई है और दूरदराज के

नारायणपुर जिले में सबसे कम। छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री ने राज्य गठन के बाद से अब तक का सबसे बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। मई 2026 (1 मई से 30 मई) के महीने में राज्य में शराब की कुल बिक्री का आंकड़ा ऐतिहासिक रूप से 959.93 करोड़ रुपये (लगभग 960 करोड़ रुपये) के करीब पहुंच गया है। यदि हम लंबित राशि को भी जोड़ें, तो यह एक महीने का राजस्व एक हजार करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाता है। आबकारी विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों का दावा है कि राज्य पिछले 25 साल में किसी भी एक महीने में इतनी अधिक मात्रा में शराब नहीं बिकी है। पिछले साल 2025 के मई माह में भी नहीं।



बिक्री में अभूतपूर्व उछाल

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक की अवधि में राज्य भर में शराब की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में शराब व्यवसाय के इतिहास में यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। राज्य के विभिन्न जिलों के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि रायपुर जिले में खपत सबसे अधिक है। राजधानी रायपुर में मई 2026 में 209.90 करोड़ रुपये की शराब बिक्री दर्ज की गई, जो राज्य में सबसे अधिक है। इसके विपरीत इस अवधि में नारायणपुर जिले में सबसे कम, लगभग 1.95 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई है।

कोरिया जिले में सबसे अधिक वृद्धि, कुछ जिलों में कमी भी

आंकड़े बताते हैं कि बिक्री के रूझान में जिलों के बीच बड़ा अंतर है। कोरिया जिले में मई 2025 की तुलना में 58.97% की भारी वृद्धि देखी गई है। वहीं, कांकेर और मुंगेली जैसे जिलों में बिक्री में गिरावट के रूझान भी देखने को मिले हैं। मई 2026 के ये आंकड़े राज्य के आबकारी राजस्व के लिए महत्वपूर्ण संकेत हैं। पिछले वर्ष की इसी अवधि (मई 2025) की कुल बिक्री 822.95 करोड़ रुपये थी, जो इस वर्ष बढ़कर 949.08 करोड़ रुपये (प्लस लंबित राशि) हो गई है, जो दर्शाता है कि राज्य में शराब की खपत का दायरा तेजी से बढ़ा है।

खबर संक्षेप



कुछ रोग के शून्य संक्रमण लक्ष्य पर राजधानी में दो दिवसीय

रायपुर। राष्ट्रीय कुछ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत कुछ रोग के संक्रमण को पूर्णतः समाप्त करने तथा “जीरो ट्रांसमिशन” के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नया रायपुर में 2 दिवसीय क्षेत्रीय समीक्षा एवं रणनीतिक कार्ययोजना हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन संचालक आराधना पटनायक, सचिव स्वास्थ्य, छत्तीसगढ़ अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं सह मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़संजीव कुमार झा, संयुक्त सचिव भारत सरकार निखिल गजराज, कुछ रोग प्रकोष्ठ के उप महानिदेशक डॉ. सुनील वी. गिड्डे सहित महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश के मिशन संचालक, राज्य कुछ अधिकारी व क्षेत्रीय निदेशक उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट में मनाया जाएगा 15 को यात्री सुविधा दिवस रायपुर। देशभर के विमानतलों पर 15 जून को यात्री सुविधा दिवस मनाया जाएगा।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देश पर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट की आधुनिक सुविधाओं, पिछले 12 वर्षों में हुए विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। एयरपोर्ट के निदेशक योगेश नगाईंस ने बताया कि यात्री सुविधा दिवस पर रायपुर एयरपोर्ट में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। यात्रियों के स्वागत के लिए लोक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे और विशेष सेल्वी प्वाइंट बनाए जाएंगे। इसके अलावा यात्रियों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। स्कूली बच्चों को एयरपोर्ट भ्रमण कराकर विमानन क्षेत्र की जानकारी भी दी जाएगी।

इजराइल में होम-केयरगिवर गर्ती पर चिकित्सा प्रकोष्ठ की चिंता रायपुर। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. राकेश गुप्ता ने राज्यपाल को पत्र प्रेषित कर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इजराइल में होम-केयरगिवर के पदों पर भर्ती हेतु जारी विज्ञापन पर चिंता जाहिर की है।

उन्होंने कहा कि विज्ञापन में जीएनएम, बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, नर्स असिस्टेंट तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी योग्यताओं वाले अभ्यर्थियों को आवेदन हेतु पात्र बताया गया है। किंतु वर्णित कार्य-दायित्वों में रोगी देखभाल के अतिरिक्त खाना बनाना, घर की सफाई, कपड़े धोना, खरीदारी करना, घरेलू कार्य करना तथा अन्य विशेष कार्य भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग एक सम्मानित, वैज्ञानिक एवं पेशेवर स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय है। एक नर्स का कार्य रोगियों की शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक देखभाल करना, उपचार में सहयोग देना, स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करना तथा रोगी की चिकित्सा आवश्यकताओं का प्रबंधन करना है। नर्सों को वर्षों तक कठिन प्रशिक्षण देकर स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञ बनाया जाता है। ऐसे में उनसे घरेलू सहायक जैसे कार्य करवाना न केवल अनुचित है, बल्कि नर्सिंग व्यवसाय की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को भी गंभीर आघात पहुंचाने वाला है।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 साल की उपलब्धियां बताईं

गिरिराज बोले- विकसित भारत के निर्माण के लिए 12 वर्षों में हुए ऐतिहासिक काम

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सफल एवं गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला के तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 2014 के बाद देश को एक ऐसा सशक्त नेतृत्व मिला, जिसने भारत देश की छवि को वैश्विक पहचान दिलाई।

2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था में देश की अर्थव्यवस्था 11 नंबर पर थी जो आज पांचवें नंबर पर आ गई है। प्रधानमंत्री ने 12 साल में जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं वह यूपीए की सरकार ने अपने 60 वर्षों की शासनकाल में नहीं किया। श्री सिंह ने कहा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से निकाला, उज्ज्वला योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत



देश की अर्थव्यवस्था को मिली नई शक्ति

सांसद बुजमोहन अगवाल ने कहा, इन 12 वर्षों में भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था ने भी नई शक्ति मिली। भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा, छत्तीसगढ़ में भी विकसित भारत के श्री मोदी के सपनों को साकार करने हमारी सरकार मिशन मोड पर कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन ने कहा, बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में वनोपज, पर्यटन, कौशल विकास और स्थानीय उद्यमिता के माध्यम से आजीविका के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक राजेश मृगत, सुनील सोनी, पुरव्दर मिश्रा व मोतीलाल साहू, महापौर मीनल चौबे, जयंती भांडू पटेल व अमित साहू, संजय श्रीवास्तव, राजेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

गरीब हितग्राहियों को छत देकर उन्हें आस सम्मान से जीने की प्रेरणा दी। श्री सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा के 12 वर्ष पूरे होना उस परिवर्तनकारी कालखंड का प्रतीक है, जिसने देश की दशा और दिशा को बदला है। वर्ष 2014 में

समितियों में 1.87 लाख से अधिक नैनो का स्टॉक, लेकिन किसानों की रुचि नहीं

नैनो यूरिया 27 हजार और डीएपी 21 हजार नग का वितरण

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶ रायपुर

खरीफ 2026 की तैयारी के बीच राज्य सरकार और उर्वरक कंपनियों द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास जारी हैं, लेकिन किसानों का रुझान अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। प्रदेश की सहकारी समितियों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी की बड़ी मात्रा उपलब्ध होने के बावजूद उनका वितरण अपेक्षाकृत धीमा है।

कृषि विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रदेश की समितियों में नैनो यूरिया के 1,30,035 नग तथा नैनो डीएपी के 1,05,724 नग भंडारित हैं। इसके मुकाबले अब तक केवल 27,170 नग नैनो यूरिया और 21,342 नग नैनो डीएपी का ही वितरण हो पाया है। इसके चलते समितियों में 1,02,865 नग नैनो यूरिया और 84,382 नग नैनो डीएपी वितरण के लिए शेष हैं।



उपलब्ध हैं, लेकिन वितरण की गति अपेक्षाकृत धीमी बनी हुई है। कई जिलों में भंडारण के मुकाबले उठाव काफी कम दर्ज किया गया है।

सरकार का फोकस नैनो उर्वरकों पर

केंद्र और राज्य सरकार रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा लागत घटाने के उद्देश्य से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ावा दे रही हैं। दावा किया जाता है कि नैनो उर्वरक कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं तथा मिट्टी की गुणवत्ता पर भी अपेक्षाकृत कम प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। हालांकि, खरीफ 2026 के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में अभी नैनो उर्वरकों की मांग और उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। समितियों में बड़ी मात्रा में स्टॉक मौजूद है और आगामी मण्डलों में खरीफ बुवाई के साथ इनके वितरण में तेजी आने की उम्मीद की जा रही है।

आदिवासी नेताओं के साथ कांग्रेस के बड़े नेताओं ने किया मंथन

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶ रायपुर

प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आदिवासियों की जमीन, जल, जंगल एवं खनिज संसाधनों को बचाने के लिए कांग्रेस ने राजनीतिक प्रस्ताव पारित किया है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आदिवासी नेताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने लंबा मंथन किया।

बैठक में वन अधिकार पट्टा एवं पेसा कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। आदिवासियों के भूमि अधिग्रहण से लगातार विस्थापित हो रहे आदिवासियों की सुरक्षा व समस्याओं पर चर्चा की गई। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर

आदिवासियों की जमीन, जंगल, खनिज संसाधनों को बचाने कांग्रेस का राजनीतिक प्रस्ताव



आदिवासियों तो वापस लाया जाए

राजनीतिक प्रस्ताव में कहा गया है, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संघर्ष की चपेट में आकर आम आदिवासी निक्षेप होते हुए भी नक्सली हिंसा, पुलिस कार्रवाई से दूबसे पड़ोसी राज्यों (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र) में पलायन के लिए मजबूर हुए हैं उन्हें वापस लाया जाए। नक्सल हिंसा और फर्जी एंकाउंटर में पीड़ित परिवारों को मुआवजा दे सरकार। नक्सली सहयोगी होने का आरोप लगाकर हजारों निक्षेप आदिवासियों को जेल भेजा गया है, अब जब पुनर्वास योजना के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल किया गया है तो ऐसे में सहयोगी होने के आरोपों उन निक्षेप आदिवासियों की भी रिहाई हो। 25 हजार से अधिक आदिवासियों को खिलाफ जारी स्थानों एवं अस्थाई वारंट रद्द किया जाए। ग्राम सभा की सर्वोच्चता और पारंपरिक कानूनों पेसा कानून और वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों की रक्षा करें। समान नागरिक संहिता के प्रस्तावित कानूनों में आदिवासी समाज को छूट मिले। स्थानीय रोजगार और सरकारी भर्ती में आदिवासियों को आरक्षण मिले। पेसा कानून का कड़ाई से पालन हो। आदिवासियों को प्राप्त विशेष संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित हो।

मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने 12 बिंदुओं का राजनैतिक प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। पारित प्रस्ताव में कहा, हसदेव अरण्य, परसा ईस्ट केते बासन, केते एक्सटेंशन सहित नई खदानों में कोयला खनन, बैलाडीला में आयनर और और विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा दी गई लाखों पेड़ों की कटाई और हसदेव के 1,742 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन की अनुमति सरकार तत्काल रद्द करें।

जनसंख्या के अनुपात में अनुसूचित जनजाति के लिए 32 प्रतिशत आरक्षण लागू हो। राजभवन में लंबित नवीन आरक्षण विधेयक की अधिसूचना जारी करे सरकार। वनाधिकार पट्टा आवंटित किया जाए।

दो कालेजों ने जमा नहीं किए सीओए और साल्वेंसी सर्टिफिकेट, तीन कालेज का अरेंजमेंट ठीक नहीं

पुख्ता नहीं कालेज और हास्पिटल का वैकल्पिक इंतजाम, एनएमसी ने रिजेक्ट किए मेडिकल कालेजों के आवेदन

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶ रायपुर

प्रस्तावित पांच नए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के आवेदन एनएमसी द्वारा रिजेक्ट करने की वजह कालेज, अस्पताल और हास्प्टल के वैकल्पिक इंतजाम पुख्ता नहीं थे। जशपुर और जांजगीर चिकित्सा महाविद्यालयों ने आयुष विधि से प्राप्त कंसेट ऑफ एप्लिकेशन और उपलब्ध साधनों की गारंटी लेने वाला साल्वेंसी सर्टिफिकेट जमा नहीं कराया था। तीन कालेजों ने जो इफ़ास्ट्रक्चर बताया था, उसे एनएमसी ने संतोषप्रद करार नहीं दिया था।

नेशनल मेडिकल कमीशन ने राज्य में प्रस्तावित ढाई सौ सीटों की क्षमता वाले पांच नए शासकीय मेडिकल कालेज कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, मनेन्द्रगढ़, दंतेवाड़ा तथा कुनकुरी के आवेदन को रिजेक्ट कर दिया था। शासन इन कालेजों को इसी सत्र से प्रारंभ करना चाहता है। चिकित्सा शिक्षा

विभाग के माध्यम से भेजे गए आवेदन इन कालेजों को प्रारंभ करने के लिए कालेज भवन, छात्रावास और विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल के हास्पिटल का वैकल्पिक उल्लेख किया गया था। कालेजों के आवेदन के आधार पर एनएमसी की टीम ने दर्ज संसाधनों का सेटलाइट के माध्यम से निरीक्षण किया था और उनकी कमियां दिखाते हुए आवेदन को रिजेक्ट कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक कालेजों को खोलने अनुमति के लिए जो संसाधन दिखाए गए थे, उसे कालेज के हिसाब से पर्याप्त नहीं माना गया था। आवेदन एनएमसी से रिजेक्ट होने की सूचना मिलने पर चिकित्सा शिक्षा सहित समूचे स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों में हड़कंप मच गया। इसे लेकर पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया। दूसरी ओर चिकित्सा शिक्षा आयुक्त रितेश अग्रवाल ने बताया है कि एनएमसी ने जो कमियां गिनाई हैं, उन्हें दूर करते हुए पुनः आवेदन किया जाएगा।



प्रक्रिया अभी पूरी खत्म नहीं : जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने सरकार का मजबूत पक्ष रखते हुए कहा कि प्रक्रिया अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। दंतेवाड़ा, कवर्धा, कुनकुरी, जांजगीर और मनेन्द्रगढ़ जैसी जगहों पर नए मेडिकल कॉलेजों के लिए हम 99 प्रतिशत गाइडलाइंस पर खरे उतर चुके हैं। सभी जिलों में मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों का निर्माण कार्य तेजी से चालू है, जो कि एक सतत प्रक्रिया है। चूंकि निर्माण कार्य प्रगति पर है, इसलिए हमने इसी सत्र से पढ़ाई शुरू करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। एनएमसी के इस पत्र के बाद हमारे पास दोबारा अपील करने के लिए 15 दिनों का समय रहता है। हम पूरी तैयारी और ताकत के साथ पिछे से अपील में जा रहे हैं।

प्रदेश की भाजपा सरकार की अक्षमता : सिंहदेव

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा, 5 में से 3 कॉलेज कांग्रेस की सरकार में स्वीकृत किए गए थे। जमीन थी, मंजूरी थी, स्टफ एलॉटमेंट था। भाजपा को कांग्रेस की विरासत में इतना कुछ मिला मगर लापरवाही में उन्होंने छत्तीसगढ़ का, छत्तीसगढ़ियों का, यहाँ के युवाओं और आदिवासियों का इतना बड़ा नुकसान करवा दिया। 500 करोड़ का ओवरस्टेज टेंडर बनाया, पकड़े गए तो चुपचाप रद्द कर दिया और अंत में खाली मैदान दिखाकर स्वीकृति मंगी। मनेन्द्रगढ़ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कवर्धा डिप्टी सीएम विजय शर्मा और कुनकुरी सुदृ सौमन विष्णु देव साह जी का विधानसभा क्षेत्र है। इन तीनों के साथ-साथ गौदम और जांजगीर में भी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बनने थे और पाँचों जगह यह सरकार बुरी तरह विफल रही।

किस तरह की कमियां

- मनेन्द्रगढ़:- कॉलेज और हास्पिटल के स्टैबलिशमेंट विलयर नहीं, शिक्षण के लिए पीजी कालेज और क्लिनिकल के लिए जिला अस्पताल, वार्मिंग और शहरी इलाके के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को दिखाया गया।
- जशपुर (कुनकुरी):- कंसेट ऑफ एप्लीकेशन यानी और साफ्टवेरी सर्टिफिकेट तथा इफ़ास्ट्रक्चर से संबंधित दस्तावेज नहीं।
- कबीरधाम:- हास्पिटल और कालेज भवन का वैकल्पिक व्यवस्था संतोषप्रद नहीं
- गौदम (दंतेवाड़ा):- क्लिनिकल के लिए जिला अस्पताल, हास्प्टल के लिए एकलव्य मॉडल रेसीडेंस स्कूल को दिखाया गया। इसे संतोषजनक नहीं माना गया।
- जांजगीर-चांपा:- सीओए और मौजूदा संसाधनों की जमानत लेने वाला प्रमाणपत्र जमा नहीं किया गया।

खबर संक्षेप

आंबेडकर अस्पताल में रक्तदातन शिविर आज

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस पर छत्र प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा उद्घातन एकेडमी के सहयोग से शनिवार 14 जून को रक्तदातन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आंबेडकर अस्पताल के प्रथम तल पर स्थित मॉडल ब्लड बैंक टेली मेडिसिन हॉल में लगाया जाएगा।

निधन

रामकुमार शर्मा

रायपुर। सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामकुमार शर्मा

राजनंदनवाले वाले का 12 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम अंतिम संस्कार कोटा मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. आरके शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, डॉ. सतीश शर्मा, रघु. विजयलक्ष्मी शर्मा एवं शुभा मंडलौल के पिता थे।

उषा देवी शारदा

रायपुर। रामसागरपारा (शारदा हाउस) निवासी उषा देवी शारदा का निधन हो

गया। उनकी अंतिम यात्रा 13 जून को प्रातः 10 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी शमशानघाट के लिए निकलेगी। वे निर्मल, सुशील, विवेक शारदा की माता थीं।

दिनेश वर्मा

रायपुर। कापा लोधीपारा निवासी दिनेश वर्मा का 12 जून को निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे जयश्री वर्मा के पति, अमन तथा हर्ष के पिता तथा हरिभूमि में कार्यरत अशोक वर्मा के भाई थे।

कपूर बाई ठाकुर

रायपुर। राजधानी रायपुर निवासी कपूर बाई ठाकुर (इन्दुराकापा वाले) का 12 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 13 जून को मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सर्वेश एवं निर्मय के पिता थे।

विनोद सिंह राजपूत

रायपुर। कोटा कॉलोनी निवासी विनोद सिंह राजपूत (70) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 13 जून को कोटा मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सर्वेश एवं निर्मय के पिता थे।

बिजनेस साइट

रायपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय ऑन्कोलॉजी शिखर सम्मेलन ‘ ऑन्कोस्फीयर 2.0 ‘ आज से

रायपुर। कैंसर उपचार और अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर मंथन के उद्देश्य से रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय ऑन्कोलॉजी शिखर सम्मेलन ‘ ऑन्कोस्फीयर 2.0 ‘ का आयोजन 13 एवं 14 जून को होटल बेबिलोन इंटरनेशनल में किया जाएगा। सम्मेलन में देशभर के 300 से अधिक अग्रणी ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ, चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य पेशेवर भाग लेंगे। कार्यक्रम में प्रसिजन मेडिसिन, इम्यूनोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स तथा रोगी-केंद्रित कैंसर देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वैज्ञानिक सत्र, मुख्य व्याख्यान, पैनल चर्चाएं और केस-आधारित शिक्षण आयोजित होंगे। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक एवं क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने कहा कि कैंसर देखभाल में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच ऐसे शैक्षणिक मंच बेहतर उपचार और मरीजों के परिणामों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, डॉ. रवि जायसवाल ने कहा कि यह सम्मेलन चिकित्सकों और विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा, जहां वे जटिल क्लिनिकल मामलों पर चर्चा कर सकेंगे और नए उपचार तरीकों से अपडेट रह सकेंगे, जिससे मरीजों के परिणाम बेहतर होंगे।

एनआरआई गाहकों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा की विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना शुरू

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-10

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 12.06.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उत्तमचंद जैन पिता शेम्पल जैन निवासी नगरी जिला धमतरी छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम देवपुरी पंचवारी हल्का नंबर 73 राजस्व निरीक्षक मण्डल -10 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 154/225 कबला 0.0280 हे.का सीमांकन न्यायालय नायब/ अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 11.06.2026 के परिपालन में दिनांक 17.06.2026 को समग्र 12.00 बजे परंपचात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पंचवारी हल्का नंबर 73 के डुमरतराई में स्थित कार्यालय में मय दर्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर - 10

न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईशतहार //

क्रमांक /...../ अ-6/ वर्ष 2025-26

दिनांक 08.06.2026

ग्राम मुजमन प.ह.नं. 82

तहसील व जिला रायपुर छ.ग.

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था/ समूह को कोई दावा आपत्ति होवे वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में निम्न पेची तरीक 23.06.2026 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हो कर पेश कर सकते हैं, निम्न तारीख के बाद प्रान आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की वर मुद्रा से आज दिनांक 08.06.2026 को जारी किया गया।

अति. तहसीलदार रायपुर

बारिश में न्यूरोलॉजिकल बीमारियों का खतरा बढ़ता है, लक्षणों को नजरअंदाज न करें : डॉ. भुवन शर्मा

रायपुर। बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं कई गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों का जोखिम भी बढ़ा देता है। आईएलएस हॉस्पिटल रायपुर के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. भुवन शर्मा ने बताया कि बरसात के दौरान वायरल एवं मच्छरजनित संक्रमण बढ़ने से एन्सेफलाइटिस, मेनिन्जाइटिस, गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस), दौरे तथा कुछ मामलों में स्ट्रोक जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। उन्होंने कहा कि बुखार के साथ भ्रम, व्यवहार में बदलाव, बार-बार उल्टी, अत्यधिक नींद, बेहोशी, दौरे या शरीर के किसी हिस्से में अचानक कमजोरी जैसे लक्षण गंभीर मस्तिष्क संक्रमण के संकेत हो सकते हैं। ऐसे मामलों में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। डॉ. शर्मा के अनुसार हाल ही में एचएसवी एन्सेफलाइटिस से पीड़ित एक मरीज का समय पर जांच और उपचार कर फायदा इलाज किया गया। उन्होंने कहा कि न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी में हर मिफ्ट महत्वपूर्ण होता है। समय पर जांच, पूरा उपचार और विशेषज्ञ की सलाह से जान बचाने के साथ रथायी विकलांगता के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बीते माह जब पेट्रोल संकट के कारण राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों में लंबी लाइनें लगीं, तो लोगों को इसका अहसास हुआ कि आने वाले समय में पेट्रोल का संकट और बढ़ा तो क्या होगा। ऐसे में लोगों ने इसके विकल्प के रूप में ई-वाहनों की तरफ जाना प्रारंभ किया है। ई-वाहनों की जानकारी लेने वालों की संख्या में अचानक भारी इजाफा हुआ है। पहले जहां 20 फीसदी ही इसकी जानकारी लेते थे, वहीं अब 70 से 80 फीसदी इसकी जानकारी ले रहे हैं। इसी के साथ बिक्री में भी इजाफा हुआ है।

जिन बसों में खामियां पाई गईं, उनके संचालकों पर साढ़े 5 लाख जुर्माना

परिवहन विभाग ने गुरुवार को राज्य के सभी जिलों में अभियान चलाकर बसों की सुरक्षा मानकों की जांच की। जिन बसों में सुरक्षा मानकों में कमी पाई गई, उन बस संचालकों से साढ़े पांच लाख रुपए जुर्माना वसूल किया गया। परिवहन विभाग ने यह जांच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर की है। बसों की जांच का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाना है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश ने राज्य के सभी क्षेत्रीय और जिला परिवहन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित यात्री बसों, विशेषकर स्लीपर कोच बसों की कड़ाई से जांच करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त के निर्देश पर परिवहन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने गुरुवार को सभी जिलों के बसस्टैंड के साथ ऑन रोड बसों को रोक कर जांच की। लंबी दूरी के लिए संचालित बसों की विशेष तौर पर जांच की गई।

बसों के बर्थ की लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई तय मानक से कम

स्लीपर बसों में सफर आरामदायक और सुरक्षित यात्रा के लिए बर्थ की न्यूनतम लंबाई 1.8 मीटर और चौड़ाई 500-600 मिमी के बीच निधारित की गई है। इसके अलावा गद्दे की मोटाई कम से कम 75 मिमी होनी चाहिए। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए गलियारे की चौड़ाई कम से कम 300 मिमी निधारित की गई है, ताकि आपातकाल में कोई बाधा न आए। लंबी दूरी के लिए चलने वाली ज्यादातर बसों में बर्थ की लंबाई 1.5 से लेकर 1.7 मीटर पाई गई। गद्दे की मोटाई 45 से 50 मिलीमीटर होना पाया गया। गलियारे की चौड़ाई भी कम पाई गई।

पहली बार एक माह में 55 सौ से ज्यादा बिके ई-वाहन



पेट्रोल वाले दोपहिया कम बिके

एक तरफ मई में जहां ई-वाहनों की बिक्री की रफाार बढ़ी है, वहीं पेट्रोल वाले दोपहिया वाहनों की बिक्री में कमी आई है। इस बार मई में 37193 दोपहिया बिके हैं। ये बीते साल के मई से करीब पांच फीसदी कम है। इसके अलावा अन्य वाहनों की बिक्री में ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। कारें 5373 बिकी हैं। ये बीते साल के मई से करीब सात फीसदी ज्यादा हैं। बीते साल मई में 5014 कारें बिकी थीं। मई में कुल 49261 वाहन बिके हैं।

मई में ज्यादा बिके वाहन

ई-वाहनों की बिक्री अपने प्रदेश में अब तक ज्यादा नहीं हो रही थी, लेकिन बीते माह में इसकी रिकॉर्ड बिक्री हुई है। मई में सबसे ज्यादा 5518 ई-वाहन बिके हैं। इसमें सबसे ज्यादा 3770 दुपहिया वाहन हैं। जहां तक कारों का सवाल है तो इसके दाम ज्यादा होने के कारण इसकी बिक्री में अभी ज्यादा तेजी नहीं आई है। बीते माह 380 कारें ही बिकी हैं। हालांकि यह अप्रैल की तुलना में ज्यादा है। अप्रैल में 330 कारें बिकी थीं। इसी के साथ 2593 दुपहिया सहित अन्य वाहनों को मिलाकर 40258 वाहन बिके थे। इसकी तुलना में मई में करीब 40 फीसदी वाहन ज्यादा बिके हैं।

ई-वाहनों का शेयर 11 फीसदी

ई-वाहनों की बिक्री का शेयर अब देश भर में लगातार बढ़ रहा है। इसी के साथ अपने प्रदेश में भी इसका शेयर बढ़ रहा है। देश में ई-वाहनों की बिक्री में सबसे ज्यादा 11 प्रतिशत हो गया है। इतना ही शेयर मई में छत्तीसगढ़ में भी पहुंच गया है। प्रदेश में हर माह करीब 50 हजार वाहन बिकते हैं। मई में 55 सौ से ज्यादा ई-वाहन बिके हैं। ये शेयर 11 फीसदी है।

मई में ज्यादा बिके ई-वाहन

पेट्रा मे ई-वाहनों की मांग में लगातार इजाफा हो रहा है। मई में पहली बार पांच हजार से ज्यादा वाहन बिके हैं। आने वाले समय में बिक्री की रफाार और तेज होगी।

- विवेक वर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ काडा

परिवहन आयुक्त ने दिए निर्देश



यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। बस संचालकों की बैठक लेकर समझाइश दी जा रही है। सुरक्षा मानकों से समझौता करने वाले किसी भी बस संचालक को बख्शा नहीं जाएगा। एस. प्रकाश, परिवहन आयुक्त

ज्यादातर स्लीपर बस एआईएस-119 मानक में खरी नहीं

उड़नदस्ता की टीम ने बसों के वैध पंजीयन, फिटनेस, परमिट और एआईएस-119 मानकों के अनुरूप निर्माण की गहनता से जांच की। जांच में लंबी दूरी के लिए चलने वाली ज्यादातर स्लीपर बस एआईएस-119 मानक में खरी नहीं उतरीं। एआईएस-119 मानक यात्रियों की सुरक्षा, अग्नि-रोधी क्षमता और स्लीपर कोचों की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया है। इस मानक के तहत बसों में उच्चतमशुद्ध पदार्थों का कम से कम उपयोग करने निर्देश दिए गए हैं। फायर डिटेक्शन और अलार्म सिस्टम के साथ अग्निशामक यंत्र लगाना अनिवार्य है। आपात स्थिति में सुरक्षित बाहर निकलने के लिए पर्याप्त संस्था में एग्जिट दरवाजे और छत पर एस्केप हेच होने चाहिए। कांच तोड़ने के लिए हथौड़े की उपलब्धता भी आवश्यक है। ज्यादातर बस एआईएस-119 मानक में खरी नहीं उतरीं।

सौतेली मां पर चाकू से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

पिता को अपने खिलाफ भड़काने के शक में किया हमला, खमतराई थाना क्षेत्र की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी सौतेली मां पर चाकू से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के समय युवक का पिता काम पर गया था। घटना शुक्रवार सुबह 11 बजे की है। घटना के बाद से आरोपी युवक फरार है। युवक के छिपने के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर पुलिस युवक की पतासाजी कर रही है। पुलिस के अनुसार खुर्शु दास (21) ने अपनी सौतेली मां डोमन पर चाकू से हमला किया है। खुर्शु की मां



की मौत के बाद डोमन ने 13 साल पूर्व खुर्शु के पिता से शादी की थी। तब खुर्शु की उम्र महज आठ साल थी। शादी के बाद से ही खुर्शु अपनी सौतेली मां को पसंद नहीं करता था। आए दिन

उसके साथ विवाद करता था। खुर्शु जब भी अपने पिता से पैसों की मांग करता, पिता पैसे देने से इनकार कर देता था। इससे उसको लगता था कि उसके पिता को उसकी सौतेली मां भड़का रही है। बताया जा रहा है, शुक्रवार को खुर्शु ने अपने पिता से पैसों की मांग की। पिता के पैसा न देने से नाराज खुर्शु घर में हंगामा करने लगा। इस पर डोमन ने खुर्शु को फटकार लगाई। इससे नाराज होकर खुर्शु ने अपनी सौतेली मां पर बटनदार चाकू से तीन बार बार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया।

पेज 13 के शेष

छुट्टियों के बाद दिल्ली

के प्रमुख महानगरों व तीर्थ स्थलों की ओर जाने वाली दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की कई ट्रेनों में अब भी आसानी से कन्वर्ग बर्थ मिल रही है। जो यात्री अब भीड़ कम होने के बाद आराम से पर्यटन, तीर्थयात्रा या पारिवारिक भ्रमण पर जाने की योजना बना रहे हैं, वे इन खाली सीटों का लाभ उठा सकते हैं।

ओडिसा पहुंचा मानसून

रायपुर में दिनभर हल्के बादल छाए रहे, लेकिन देर रात तक बूंदबांदी या बारिश की स्थिति निर्मित नहीं हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बरमेकला व नारायणपुर में 4 सेमी, नगरी, सरोना, पौड़ी उपरोरा, सररया, बड़ेशाजपुर व छोटेडोंगर में 3, हरदीबाजार, सरायपाली, धसमगा, कुनकुरी, बेलरगांव, कोंडागांव, चारामा, नवागढ़, धशवरीनारायण, केशकाल व राजपुर में 2 सेमी तथा अन्य स्थानों में इससे कम बारिश या बूंदबांदी हुई।

लंबी दूरी की

डीलरों के साथ बैठक की। इस बैठक में सभी को निर्देश दिए गए हैं कि लंबी दूरी की बसों के साथ

अन्य कार्यों में लगे छोटी गाड़ियों को भी पेट्रोल-डीजल पंप इाई हो जाने के कारण मिल नहीं पाता।

पहले बल्क कन्जुमर में आते थे लंबी दूरी वाली बसों के मालिक: अधिकारियों के अनुसार लंबी दूरी की बस ट्रेवलर्स के मालिक पहले बल्क कन्जुमर में आते थे ये सभी कन्जुमर बल्क पेट्रोल पंप से ही डीजल-पेट्रोल क्रय किया करते थे, लेकिन देश में युद्ध के कारण जब से डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति में गिरावट आई है तथा इसकी कीमत में इजाफा हुआ है, तब से लंबी दूरी के ट्रेवलर्स संचालक भी बल्क पंपों की जगह अब चिलहर पेट्रोल पंप से डीजल-पेट्रोल की खरीदी कर रहे हैं।

बैठक में ये रहे उपस्थिति: बैठक में जिला खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा के अलावा विभिन्न कंपनियों के डीलर्स में बीपीसीएल से अखिल धकड, कमल गोलछा, अकरम बुखारी, एचपीसीएल से अभय पारख, नवनीत चावला, आईओसीएल से अभय भंसाली, रैना जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

30 रुपए महंगा, इसलिए

रुपए है। यहीं वजह है कि बस ट्रेवलर्स मालिक भी बल्क पंप की जगह चिलहर पंप से डीजल-पेट्रोल की खरीदी कर रहे हैं।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL

पारंपरिक चिकित्सा कला के अग्रणी

रात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > रूमिडिफ्लिटिस > लिगामेंट के दर्द > स्पाइडिल > जोफा एक्सी > प्रोबल सोलर > शरीर में जकड़न

कंधा, गर्दन, मांसपेशीय दर्द, जोड़ों के दर्द, जोड़ों के दर्द

9 सिटी सेंटर - कृष्णा टॉकीज के सामने, सभाग कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ☎ 9826446666

9 सेक्टर - 7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) ☎ 95224-66664, 62622-22003

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-42422213, 7987119756, 9303508130

Piles Care Clinic

ISO 9001:2015 Certified Clinic | Unit of Dr. Abhimanyu's Pain Relief Center

सर्वप्रकार की चिकित्सा कला के अग्रणी

किता पीटकर के वातसीर (पाइडर), फिस्टुला (मांसद) फिस्टा, फिस्टुला साइडर

लेजर मशीन / क्षार सूत्र द्वारा आपरेसन की सुविधा

लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

ख़बर संक्षेप



पीएम मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल सेवा, विकास का स्वर्णिम अध्याय : गांधी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा के “विश्वास, विकास और लोक कल्याण के 12 वर्ष” अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतिश गांधी ने श्रीशुद्धाद्वैत पंचम पीठाधीश्वर पूज्य वल्लभलाल महाराज (कामवन छठी बैठक, चंपारण) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्हें केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित एक विशेष किताब भेंट की। भेंटवार्ता के दौरान केंद्र सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं, विकासात्मक पहलों एवं राष्ट्रीय हित में लिए गए प्रमुख निर्णयों पर संक्षिप्त चर्चा की। श्री गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी का 12 वर्षों का कार्यकाल गरीब कल्याण, सुशासन, राष्ट्र निर्माण और अंत्योदय के संकल्प को समर्पित रहा है। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है तथा देश विकास, आत्मनिर्भरता और जनभागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है। प्रधानमंत्री मोदीजी का नेतृत्व विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर आयोग का छापा

रायपुर। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के नेतृत्व में रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र से 9 नाबालिग बच्चों एवं रायपुर जीआरपी के माध्यम से 4 बच्चों का रेस्क्यू कर कुल 13 बच्चों को संरक्षण में लिया। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के नेतृत्व में राजधानी रायपुर के उरला स्थित माहति नंदन स्ट्रक्चर इंडस्ट्रीज में विशेष औचक छापाभार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लोहे की फैक्ट्री में नाबालिग बच्चों से गंभीर एवं जोखिमपूर्ण प्रकृति का कार्य कराया जा रहा था। मौके से 9 बच्चों को तत्काल संरक्षण में लेकर नियमानुसार प्रकरण दर्ज किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रेस्क्यू किए गए बच्चे ओडिशा, उत्तरप्रदेश के बरेली एवं पश्चिम बंगाल के आसनसोल के निवासी है। बच्चों को एक ठेकेदार के माध्यम से रायपुर लाया गया था, जो बिहार का रहने वाला है। मामले में संबंधित ठेकेदार, बच्चों को यहां लाने वाले अन्य व्यक्तियों तथा संभावित बाल तस्करी के पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। बच्चों के परिजनों से संपर्क स्थापित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

रेलवे स्टेशन मार्ग से हटाए गए 17 अवैध ठेले, सामान जवा



रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन मार्ग पर शुक्रवार को टीम प्रहरी ने अभियान चलाकर 17 अवैध ठेलों को हटाने हुए उनके सामानों को जब्ती बनाया है। इस मार्ग पर टीम ने पूर्व में भी अभियान चलाकर कार्रवाई की थी, साथ ही अवैध ठेला लगाने वालों को समझाईश के साथ चेतावनी भी दी थी कि दोबारा सड़क पर ठेला लगाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस चेतावनी के बाद भी इस मार्ग पर छोटे व्यवसायी अवैध रूप से ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे थे, जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

नवशे के विपरीत निर्माण को निगम अमले ने तोड़ा रायपुर। शहर के जौन-7 अंतर्गत शहीद मनमोहन सिंह बख्शी वार्ड क्रमांक-23 के अंबेडकर चौक के पास सरस्वती रेलवे स्टेशन के पास कोटा में नक्शा के विपरीत एक भवन में निर्माण किया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर संबंधित भवन मालिक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था।

ग्लूकोमा और रेटिनोपैथी समेत आंखों की बीमारी के बढ़ रहे मरीज

हरिभूमि न्यूज

प्रदेश में मोतियाबिंद ही नहीं, आंखों से संबंधित दूसरी बीमारी के मरीज भी लगातार बढ़ रहे हैं। ग्लूकोमा, रेटिनोपैथी जैसी समस्या वाले 95 हजार मरीजों के इलाज का पिछली बार अनुमानित लक्ष्य रखा गया। इसकी तुलना में विभाग 1.14 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज कर लक्ष्य से बीस प्रतिशत आगे निकल गया। प्रदेश में बड़ों के साथ छोटे बच्चों की नजर धुंधली की समस्याएं भी लगातार बढ़ रही हैं।

राज्य में मोतियाबिंद की वजह से अंधत्व की समस्या को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा भी अन्य तरह की बीमारियां लोगों की आंखों को खराब कर रही हैं। 40 के बाद होने वाले ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी के साथ बच्चों की नजर कमजोर होने की समस्या भी ज्यादा बढ़ चुकी है। शिकायत

नेत्रदान के मामले में पिछड़ा

राज्य में नेत्रदान के प्रति लोगों के जागरुक होने के दावे तो किए जा रहे हैं। विभिन्न आयोजनों में लोगों अंगदान के साथ नेत्रदान करने की घोषणा भी कर रहे हैं।

बावजूद इसके नेत्रदान का आंकड़ा टारगेट से पिछड़ रहा है और प्रतीक्षारत सूची लगातार बढ़ रही है। पिछले साल पांच सौ नेत्रदान कराने का लक्ष्य रखा गया था मगर आंकड़ा 354 में ही सिमट गया।

दूसरी बीमारी के इलाज का 95 हजार लक्ष्य इलाज हुआ 1.14 लाख से ज्यादा का



लक्ष्य से बीस फीसदी आगे निकला आंकड़ा



ख़ूब बढ़े गए चश्मे

स्वास्थ्य विभाग की अंथर्व निवारण टीम ने पिछले साल आंखों की जांच कर जरूरतमंदों में निशुल्क चश्मों का वितरण भी किया। स्कूली बच्चों तथा अन्य आयु के लोगों की जांच के दौरान 90 हजार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इसकी तुलना में 90 हजार से ज्यादा चश्मों का वितरण किया गया। वित्ता का विषय चश्मे की आवश्यकता वाले छोटे बच्चों की संख्या का बढ़ना है।

इंजीनियरों की बड़ी लापरवाही, पानी की किल्लत बढ़ी

जहां टंकी बनाई वहां पानी नहीं, एक किमी दूर दूसरा बोर, वह भूमि भी एनआरडीए की

हरिभूमि न्यूज

जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने से लेकर पानी टंकी सहित अन्य सभी कार्य इंजीनियरों के मार्गदर्शन एवं देखरेख में किए जा रहे हैं, लेकिन कई ग्रामों में निर्माण एजेंसी के साथ इंजीनियरों की भी बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिसके कारण कई ग्राम वासियों को योजना के तहत कार्य पूर्ण होने के बाद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला नया रायपुर के ग्राम बंजारी का सामने आया है। इस ग्राम में जिस जगह पर दो साल पहले पानी टंकी का निर्माण कराया गया, वहां का भू-जल स्तर पहले से ही काफी नीचे था, जिसके कारण टंकी का निर्माण पूर्ण होने के बाद भी टंकी में पानी चढ़ नहीं पाया। यही नहीं, इसके बाद भी इंजीनियरों ने लापरवाही की हद तब पार कर दी, जब बिना जांच पड़ताल के टंकी से लगभग एक किलोमीटर दूर पाइप लाइन बिछाकर ऐसी जगह पर बोर करा दिया, जो जगह एनआरडीए द्वारा सड़क बनाना प्रस्तावित है। इसके कारण बोर को बंद कराना पड़ा।



पानी के लिए तरस रहे कई गांव

ग्राम बंजारी सहित आसपास के कई गांव में पानी की समस्या बनी हुई है। खासकर गर्मी के सीजन में भू-जल का स्तर काफी नीचे चला जाता है, जिसके कारण इन ग्रामों में हर साल कई बोर भी सूख जाते हैं। जल जीवन मिशन अंतर्गत जरूर इन ग्रामों में करोड़ों रुपए खर्च कर पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने से लेकर घर-घर कनेक्शन लगाए जा रहे हैं, लेकिन टंकियों में पानी नहीं चढ़ने या फिर प्याप्त मात्रा में नहीं चढ़ने के कारण ग्रामवासियों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

गांव की आधी आबादी में कनेक्शन भी नहीं हुए

इस गांव में पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, लेकिन अभी तक गांव की आधी आबादी परिवारों के घरों में नल कनेक्शन भी लान नहीं पाए हैं। गांव के सरपंच ने बताया कि गांव में पानी की इतनी ज्यादा समस्या है कि भौषण गर्मी के बावजूद लोग कुलों में पानी तक नहीं डाल पा रहे हैं। मजबूरी में उन्हें बिजली पंखों के सहारे रहना पड़ रहा है।

पिछले डेढ़ साल से टंकी में एक बूंद चढ़ा नहीं पानी

ग्राम बंजारी एक आश्रित गांव है। ग्राम चैरिया अंतर्गत आने वाले इस गांव की सरपंच तुपित तिवारी ने बताया कि टंकी का निर्माण पूर्ण हुए अब लगभग दो वर्ष हो चुके हैं। इसके बाद भी इस टंकी में एक बूंद भी पानी चढ़ नहीं पाया है। उन्होंने बताया कि जिस जगह पर टंकी का निर्माण किया है, वहां भू-जल का स्तर पहले से ही काफी नीचे था। इस वजह से बोर सूख गया। बोर सूखने के कारण टंकी में पानी चढ़ नहीं पाया है। लगभग 2 महीने पहले क्षेत्र के प्रभारी इंजीनियर ने दोबारा बोर कराने के लिए जगह का चयन किया, जो पानी टंकी से लगभग एक किलोमीटर दूर है। इस जगह पर बोर कराने का कार्य शुरू करने के साथ पानी टंकी तक पाइप लाइन भी बिछवाई गई, जिसमें बड़ी राशि खर्च हुई। पाइप लाइन का कार्य तो पूर्ण हो गया, लेकिन बोर का कार्य आधे में ही रोकना पड़ा, क्योंकि जिस भूमि पर बोर का कार्य किया जा रहा था, वह एनआरडीए के तुरंत बोर कार्य को आधे में रोकवाया, क्योंकि इस भूमि पर रोड बनना है। एनआरडीए के अधिकारी रोड बनाने से पहले इसका निरीक्षण करने पहुंचे थे, तब उन्हें पता चला कि रोड की जगह पर जल मिशन योजना अंतर्गत बोर कराया जा रहा है।

ई-केवायसी कथाने के बाद भी नहीं मिल रहा राशन

नए राशनकार्ड धारक को दो माह बाद खाद्यान्न, हितग्राही परेशान



हरिभूमि न्यूज

राशन कार्ड धारकों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक के बाद एक कोई न कोई समस्या से हितग्राही परेशान हो रहे हैं। एक ओर जहां नया राशन कार्ड बनाने के बाद भी हितग्राहियों को दो महीने के बाद खाद्यान्न मिल रहा है, तो वहीं ई-केवायसी कराने के बाद भी हितग्राहियों को खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है। राजधानी रायपुर में ऐसे ही कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें नए कार्ड धारक को दो महीने के बाद यानी तीसरे महीने से खाद्यान्न मिल पा रहा है। इसी प्रकार ई-केवायसी कराने के बाद भी हितग्राहियों को केवायसी नहीं होने की जानकारी साफ्टवेयर में दिखाई दे रही है, जिसके कारण उर्ध्व राशन दुकानों से खाली हाथ लौटने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

नगर निगम के जौन कार्यालय से लेकर खाद्य विभाग में इस तरह की कई शिकायतें पहुंच रही हैं, जिसमें ईकेवायसी कराने के बाद कुछ महीनों तक खाद्यान्न मिलने के बाद अचानक केवायसी नहीं होने का मैसेज बताकर खाद्यान्न मिलना बंद हो जा रहा है। नए कार्ड धारक का समय रहते साफ्टवेयर में उसके कोटे का खाद्यान्न चढ़ाया नहीं जा रहा है, जिससे राशन दुकान की ईपॉस मशीन के साफ्टवेयर में यह शो नहीं करता है। यही वजह है कि नए कार्ड धारक को खाद्यान्न दो महीने के बाद मिल पा रहा है।

ईकेवायसी में दिक्कत, कराने के बाद भी सत्यापन होना नहीं दिखा रहा

वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत अब प्रत्येक राशन कार्ड सदस्य को ई-केवायसी कराना अनिवार्य किया गया है। इसके चलते प्रदेशभर में 2 करोड़ 40 लाख से अधिक सदस्यों ने ईकेवायसी भी करा लिया है, वहीं नए कार्ड के सदस्य भी ईकेवायसी करा रहे हैं। कई सदस्यों को ईकेवायसी कराने के बाद भी राशन मिल नहीं पा रहा है, वहीं कई सदस्य ऐसे भी हैं, जिनहें केवायसी कराने के कुछ महीने तक खाद्यान्न मिला है, लेकिन फिर अचानक साफ्टवेयर में उनका केवायसी लिंबित बता रहा है। इससे उन्हें खाद्यान्न मिलना बंद हो गया है। हालांकि विभाग के अधिकारी इसके पीछे की वजह साफ्टवेयर में तकनीकी समस्या आना बता रहे हैं।

कहीं कहीं इस तरह की समस्या

कहीं-कहीं इस तरह की समस्या आ रही है। कुछ शिकायतें भी आई हैं। साफ्टवेयर में तकनीकी कारण से इस तरह की परेशानी आ रही है। ईकेवायसी कराना अनिवार्य है, इसलिए अगर राशन नहीं मिल रहा है, तो केवायसी जरूर कराएं।

- भूपेद्र मिश्रा, खाद्य निर्यंत्रक रायपुर

नए कार्ड धारक का साफ्टवेयर में नहीं दिखाता आवंटन

राशन दुकानों में जिस माह में हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण होता है, उसके पूर्व महीने में ही खाद्यान्न का आवंटन कर दिया जाता है। इस तरह एक माह पूर्व खाद्यान्न का आवंटन होता है, ताकि अगले माह की एक तारीख से हितग्राहियों को खाद्यान्न मिल सके। इस प्रक्रिया के कारण नए कार्ड धारकों को दो महीने तक खाद्यान्न से वंचित होना पड़ रहा है। उदाहरण के तौर पर अगर जून में प्रथम सप्ताह में भी नया राशन कार्ड बनता है, तो उसे चालू माह के अलावा जुलाई में भी खाद्यान्न मिल नहीं पाएगा, जबकि खाद्यान्न का आवंटन माह खत्म होने के लगभग एक सप्ताह पहले किया जाता है।

पुरुषोत्तम मास भगवान विष्णुजी को समर्पित, अधिक फलदायी है पाठ



हरिभूमि न्यूज

पुरुषोत्तम मास में शहर के मंदिरों में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इनमें अखंड रामायण पाठ से लेकर प्रसादी वितरण तक शामिल है। इसी कड़ी में बूढ़ापारा स्थित श्री संकटमोचन वीर हनुमान मंदिर में एक दिवसीय अखंड रामायण पाठ का किया गया। मंदिर प्रांगण में पाठ प्रारंभ एकादशी तिथि को 12 बजे से हुआ। पाठ की पूर्णाहुति शुक्रवार द्वादशी तिथि को दी गई। इसके प्रश्चात प्रसाद वितरण किया गया। देर रात तक प्रसादी वितरण चलता रहा। उमस भरी गर्मी के बाद भी अखंड पाठ में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। इस अवसर पर मंदिर में विग्रहों का विशेष श्रृंगार किया गया।

रामायण पाठ में शामिल होने के साथ भक्तों ने दर्शन लाभ लिया।

अधिकमास में अधिक फ़ल प्राप्ति

मंदिर के पं. राजेश शर्मा ने कहा, हिंदू पंचांग के अनुसार पुरुषोत्तम मास 17 मई से प्रारंभ हुआ है। यह 15 जून को सोमवती अमावस तक रहेगा। सौर और चंद्र कैलेंडर के बीच संतुलन बनाने के लिए हर तीन साल में आने वाला यह महीना बहेद पवित्र माना जाता है। यह माह विशेष रूप से भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की साधना को समर्पित होता है। अतिरिक्त मास में अखंड रामायण पाठ करने का महत्व अत्यंत विषय माना जाता है, क्योंकि इस पवित्र माह में किए गए धार्मिक अनुष्ठानों और जप का पुण्य फल कई गुणा अधिक प्राप्त होता है।

प्लास्टिक शीशी के फेर में अंग्रेजी शराब क्वार्टर के सभी ब्रांड गायब

हरिभूमि न्यूज

विदेशी शराब दुकानों में ब्रांड को लेकर शराब के शौकीन हमेशा परेशान रहते हैं। वर्तमान में अंग्रेजी शराब में चर्चित ब्रांड की शराब दुकानों से गायब है। अंग्रेजी शराब दुकान में काम करने वाले कर्मचारियों से संपर्क करने पर उन लोगों ने बताया कि उनके पास चाहे गए ब्रांड की सप्लाई ही नहीं हो रही है। इससे लोगों को उनकी मांग के अनुरूप ब्रांड नहीं दे पा रहे हैं।

आबकारी विभाग के अफसरों से बात करने पर उन लोगों ने बताया कि कांच की जगह प्लास्टिक बोतल के साथ सीसी में शराब की बिक्री होगी। इसके लिए शराब कंपनियां प्लास्टिक सीसी तैयार करने नई मशीन लगा रही हैं। इसके कारण चर्चित शराब की आपूर्ति में देर होने की बात कह रहे हैं। वर्तमान में जो अंग्रेजी शराब की क्वार्टर की बिक्री हो रही है, वह पूर्व का स्टॉक बताया जा रहा है। शराब दुकानों में पिछले एक माह से चर्चित ब्रांड की शराब के क्वार्टर नहीं मिल रहे हैं।

प्रदेश का पहला हाईटेक महिला योग भवन-जुंबा सेंटर का लोकार्पण कल

हरिभूमि न्यूज

राजधानी रायपुर के पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विप्र नगर रायपुरा में प्रदेश का पहला हाईटेक महतारी सदन, महिला योग भवन एवं महिला जुंबा सेंटर का निर्माण हुआ है। 80 लाख की लागत से निर्मित इस नए भवन का लोकार्पण 14 जून को सांसद बृजमोहन अग्रवाल करेंगे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक राजेश मृगत करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा एवं नगर निगम की महापौर मीनल चौबे मौजूद रहेंगी।

कम आय वर्ग के बच्चों को मिलेगा ‘कॉन्वेंट’ जैसा प्ले स्कूल : विधायक राजेश मृगत ने बताया कि इस अनूठे प्रोजेक्ट के पीछे संवेदनशीलता और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने की बड़ी सोच छिपी है। आमतौर पर महंगे प्ले स्कूलों और डे-केयर सेंटरों का खर्च केवल उच्च आय वर्ग के लोग ही उठा पाते हैं। इसी खाई को पाटने के लिए महतारी सदन के भीतर एक ऐसा आधुनिक प्ले स्कूल तैयार किया है, जहां समाज के कम आय वर्ग के गरीब और मध्य वर्गीय परिवारों के नन्हें-मुन्ने बच्चों को पूरी तरह नि:शुल्क या नाममात्र के शुल्क पर विश्वस्तरीय प्रारंभिक शिक्षा, खेल-कूद और बौद्धिक विकास की सुविधाएं मिलेंगी।

पहला सरकारी महिला योग व जुंबा सेंटर

महिलाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस परिसर में महिला योग भवन और महिला जुंबा सेंटर का निर्माण किया है। प्रदेश में यह अपनी तरह का पहला सरकारी भवन है, जहां महिलाओं को बिना किसी व्यावसायिक शुल्क के पूरी तरह सुरक्षित, आधुनिक और योग व फिटनेस (जुंबा) करने का अवसर मिलेगा। मध्य आय वर्ग की जो माताएं-बहनें महंगे जिम या योग केंद्र की फीस नहीं दे पाती थीं, वे अब यहां अपनी सेहत को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम एवं योग कर सकेंगी।

स्टाइपेंड के भुगतान में समस्या, जूड़ा ने अतिरिक्त संचालक से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज

जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने आज अतिरिक्त संचालक, वित्त विभाग से मुलाकात कर रेंजिडेंट डॉक्टरों के स्टाइपेंड भुगतान से संबंधित समस्याओं एवं प्रशासनिक जटिलताओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने विस्तार से वर्तमान व्यवस्था में आ रही कठिनाइयां तथा उनके कारण रेंजिडेंट डॉक्टरों पर पड़ रहे प्रभाव की जानकारी दी।

जूड़ा के अध्यक्ष डा. पीयूष श्रीवास्तव ने बताया कि अतिरिक्त संचालक ने विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल वित्त अधिकारी से दूरभाष पर चर्च कर सोमवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने यह भी आश्चर्य किया कि उनके समक्ष वित्त अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारियों के साथ बैठक कर आवश्यक प्रक्रिया एवं सूची तैयार करवाई जाएगी, जिससे समस्या के



समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।जूड़ा अध्यक्ष ने कहा कि जूनियर डॉक्टरों एसोसिएशन का उद्देश्य केवल तात्कालिक राहत प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना है जिससे भविष्य में रेंजिडेंट डॉक्टरों को स्टाइपेंड भुगतान संबंधी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उम्मीद जताई गई है कि प्रशासन के सकारात्मक सहयोग से इस लंबे समय से लंबित विषय का शीघ्र एवं स्थायी समाधान प्राप्त होगा। एसोसिएशन रेंजिडेंट डॉक्टरों के हितों की रक्षा तथा समस्या के समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत है।

अफसरों के अनुसार

आने वाले महीने में स्थित सुधर सकती है

कई दुकानों से

चर्चित ब्रांड के बॉटल भी गायब

प्रीमियम की कई अंग्रेजी शराब दुकानों में 760 रुपये से लेकर 800 रुपये रेंज की चर्चित ब्रांड की शराब गायब है। इनमें रायल स्टेंग से लेकर रॉयल वैलेंट, मैकडोवेल्ट्स नंबर-1 जैसे ब्रांड की शराब नहीं मिल रही है। इसके साथ ही शराब दुकानों से रम पूरी तरह से गायब है। अंग्रेजी शराब दुकान में काम करने वाले कर्मियों से संपर्क करने पर उन लोगों ने बताया कि गर्मी में रम की डिमांड नहीं होने की वजह से रम की आपूर्ति नहीं की जा रही है।



अगले महीने से मिल सकता है ब्रांड

अफसरों के अनुसार जिन शराब कंपनियों से शराब आपूर्ति करने एग्रीमेंट किया गया है, उन कंपनी के जिम्मेदार लोगों को मांग के अनुरूप शराब आपूर्ति करने निर्देश दिए गए हैं। अफसरों ने अगले महीने से या इस महीने के अंत से लोगों को उनकी पसंद के अनुसार शराब के बांड मिलने की बात कही है। वर्तमान में कई बांड की शराब ऐसी है, जिसे लोगों ने पहली बार देखा है।



लाइव इवेंट

फनकारों ने नए-पुराने दौर के गीतों से सजाई महफिल



रायपुर। नीरवदन म्यूजिकल ग्रुप द्वारा रजबंधा मैदान स्थित मायाराम सुरजन हॉल में रंगारंग गीतमाला का आयोजन किया गया। इसमें 24 फनकारों ने नए और पुराने गीतों की महफिल सजाई। शुक्रवार की शाम 7 से 11 बजे के बीच श्रोताओं के बीच प्रस्तुति दी गई। इसमें गायकों की प्रस्तुति ने उपस्थित श्रोताओं को झूमने के लिए मजबूर किया। आयोजन के संबंध में ग्रुप डायरेक्टर वंदना तिवारी एवं नीरज पांडे ने बताया कि यह ग्रुप का 6वां आयोजन था, जिसमें बिलासपुर के गायक भी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि यह ग्रुप नए और उभरते कलाकारों को मंच प्रदान करता है। इस आयोजन के माध्यम से उन्हें गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति के लिए मंच और अवसर दिया जा रहा है, ताकि उनकी प्रतिभाओं को सम्मान मिले।

अगला आयोजन 22 अगस्त को

इस आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक श्याम मसंद, संयोजक मनोज मसंद, मुकेश सोनी के साथ ही सलाहकार विजय जेसवानी, रत्न सोनी, शिव ठाकुर और बी. श्रीनिवास राव ने सहयोग किया। मंच संचालन नीरवदन परिवार और तकनीकी सहायक कुनाल मरकाम ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने बताया कि ग्रुप का अगला आयोजन 22 अगस्त को किया जाएगा। कार्यक्रम में आम संगीत प्रेमियों के अलावा शहर के विभिन्न संगीत ग्रुप के डायरेक्टर भी शामिल हुए। इस श्रृंखला में वरिष्ठ कवि, समाजसेवी छबिलाल सोनी का मंच द्वारा स्वागत किया गया।

सिटी इवेंट

कला केंद्र बना प्रशिक्षण और प्रदर्शन का मंच



रायपुर। कला केंद्र समर कैप को लेकर इस सौजन में कलाप्रेमियों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला है। इस 45 दिवसीय समर कैप में पिछले 43 दिनों से अलग-अलग सुबह व शाम की पाली में कुल 1000 से भी अधिक प्रशिक्षुओं ने 26 विभिन्न कला-विधाओं में प्रतिभा निखारने भाग लिया। कला केंद्र समर सौजन के प्रबंधन टीम के सदस्य संदीप यादव ने बताया कि पिछले 1 मई से 15 जून तक कला प्रशिक्षुओं के लिए कला केंद्र में समर कैप का संचालन तीन चरणों में किया गया है। शुक्रवार को समर कैप के अंतिम चरण के 43वें दिन तक सैकड़ों कलाप्रेमियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन विधाओं में सबसे ज्यादा रुचि स्कूली बच्चों व युवाओं ने ताइक्वांडो, वेस्टर्न डंस और लैंग्वेज क्लासेस में बढ़ी संख्या में प्रशिक्षण लेने पहुंचे हैं। ताइक्वांडो में सबसे अधिक 200 प्रशिक्षु, गिटार वादन में 150, वेस्टर्न डंस में 100 और लैंग्वेज क्लासेस में इंग्लिश स्पोकन, संस्कृति भाषा का प्रशिक्षण लेने रुचि दिखा रहे हैं।

इस बार कई नई विधाएं सीखने को मिल रही हैं

इस बार 4 नई विधाएं भी जोड़ी गई हैं। इनमें मेहंदी-रंगोली, आर्ट एंड कॉप्ट, अवेकस और शतरंज विधा को शामिल किया गया है। कला-प्रतिभाओं को इन क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कला केंद्र की शुरुआत की गई है। यह केंद्र बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयुवर्ग के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभरा है। समर कैप में अनुभवी ट्रेनर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने आज सजेगी 'श्री सांवरिया' प्रदर्शनी

रायपुर। खम्हारडीह स्थित मारुति सोलिटैयर के क्लब टीआर में 13 जून को एक दिवसीय श्री सांवरिया प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। आयोजक निधि अखिल ने बताया कि इस भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन वनबंध परिवर्ध की प्रदेश मॉडिया प्रमोटी कविता राठी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर राजधानीवासियों के लिए लकी ड्रॉ का भी आयोजन होगा। प्रदर्शनी में शादी समारोह के लिए खास डिजाइनर और आकर्षक ज्वेलरी की विस्तृत वैरायटी मौजूद रहेंगे। आयोजक ने बताया कि एक ही छत के नीचे ज्वेलरी, साड़ियां, सूट, कॉर्ड सेट, गिफ्ट आइटम्स, कॉस्मेटिक्स और कॉन्हा जी की पोशाक सहित सजावट के कई खूबसूरत सामान किफायती दामों पर उपलब्ध रहेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है, साथ ही ग्राहकों को कम दरों पर उच्च स्तरीय उत्पाद उपलब्ध कराना है। इस प्रदर्शनी से एकत्रित होने वाली धनराशि का उपयोग चैरिटी के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा के लिए किया जाएगा। यह पूरा आयोजन विशुद्ध रूप से समाजसेवा और सहयोग की भावना पर आधारित है।

राजधानी के नवा रायपुर स्थित सेंध लेक में शुक्रवार को पानी की लहरों पर खेल का रोमांच देखने को मिला। 12 से 14 जून तक चलने वाली 36वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर (पुरुष एवं महिला) और सब-जूनियर (बालक एवं बालिका) चैंपियनशिप 2026 का आगाज हुआ।

पानी की लहरों पर एक किलोमीटर का सफर महज 5 मिनट में किया तय, टीमों ने दिखाई बाजुओं की ताकत

सेंध लेक में राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट का आगाज, दूसरे दिन आज 125 इवेंट्स खेले जाएंगे

आज होंगे 125 रोमांचक इवेंट

उद्घाटन के इस खास अवसर पर संघ के संयुक्त सचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी, श्री दत्ता पाटिल (महासचिव, महाराष्ट्र कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन), कॉम्पिटिशन डायरेक्टर अनिल राठी, रूपेंद्र सिंह चौहान, अखिलेश दुबे, सुमित तिवारी, अशोक दुबे और राकेश ठाकुर समेत अनेक गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के मंच का बेहतरीन संचालन डॉ. राजू खानाड़े ने किया। आज प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुल 125 इवेंट्स खेले जाएंगे, जहां पानी पर रफ्तार तथा ताकत का और भी कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।



24 राज्यों के 800 खिलाड़ियों का महाकुंभ

यह प्रतियोगिता एक बड़े महाकुंभ जैसी है, जिसमें पूरे भारतवर्ष के 24 राज्यों से लगभग 800 खिलाड़ी और अधिकारी हिस्सा लेने रायपुर पहुंचे हैं। मुख्य अतिथि विक्रम सिंह सिसोदिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में इसे एक ऐतिहासिक पल और छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए महान उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से कई नए खिलाड़ियों को इस खेल से रूबरू होने और आगे बढ़ने का सुनहरा मौका मिलेगा।



एक्टिविटी आधारित शिक्षण से बेहतर होगा शिक्षा का ग्राफ

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में वर्कशॉप की कड़ी में शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय से सेवानिवृत्त और लायंस क्लब की सदस्य मधु यादव ने शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धति की व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने पहले शिक्षकों से यह जानने का प्रयास किया कि उन्होंने शिक्षक बनना ही क्यों चुना? शिक्षक शिक्षण के साथ परिवार और अपने ऊपर भी ध्यान दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि एक विद्यार्थी जब पढ़ता है तो वह जल्दी भूल जाता है। जब उसे समझाते हैं तो उसे काफी कुछ ध्यान रहता है, लेकिन जब आप उसे अपने साथ इंवाँल्व करते हैं तो उसे सबकुछ याद रहता है। इसीलिए विद्यार्थियों को अपने साथ विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से शिक्षण में इंवाँल्व करें, इससे शिक्षा का ग्राफ भी बेहतर होगा।



बताई एलएसआरडब्ल्यू और वीएआरके पद्यति

मधु यादव ने एलएसआरडब्ल्यू और वीएआरके, दोनों पद्धतियों को बड़े विस्तार से समझाया। समझाया कि एलएसआरडब्ल्यू स्क्रिप्ट्स के माध्यम से किसी भी भाषा जैसे हिंदी, अंग्रेजी को सीखने और उसमें निपुणता हासिल करने के चार मूलभूत कोशल होते हैं, लिखनगि यानी सुनना, स्पीकिंग यानी भाषण, रीडिंग यानी पठन और राइटिंग यानी लेखन। भाषा सीखने का क्रम भी यही होता है। वीएआरके पद्धति के बारे में बताया कि यह एक प्रचलित लर्निंग मॉडल यानी अधिगम शैली है। इसमें वी यानी विजुअल (दृश्य) होता है। इस शैली के लोग चित्रों, चार्ट, रेखाचित्रों और वीडियो के माध्यम से अच्छी तरह सीखते हैं।

सूचियों के माध्यम से समझने में आसानी होगी

उन्होंने आगे बताया कि ए का आशय ओरल या ऑडिटरी होता है। ऐसे लोग सुनकर, व्याख्यान अटैंड करके और समूह चर्चाओं में भाग लेकर सबसे जल्दी सीखते हैं। आर अर्थात रीड, राइट है। इसमें उन्हें लिखी हुई सामग्री, किताबें, नोट्स और सूचियों के माध्यम से समझने में आसानी होती है। मधु के मुताबिक के अर्थात काइस्थेटिक (गतिज, अनुभव) शैली के लोग व्यावहारिक अनुभव, छूकर और करके सीखने में विश्वास रखते हैं।

बारिश के मौसम में फिट रहने इंडोर एक्सरसाइज की फिटनेस एक्सपर्ट दे रहे सलाह

घर पर ही पुशअप्स, रस्सी जंप, सीढ़ियां चढ़ना उतरना जैसे सिंपल वर्कआउट भी फायदेमंद

कार्नर न्यूज

रायपुर। मानसून के मौसम में बारिश के कारण अक्सर लोग वॉक पर नहीं जा पाते। कई बार तो न चाहते हुए भी जिम की छुट्टी करनी पड़ जाती है। ऐसे में अगर जिम के वर्कआउट को मिस करते हैं तो पुशअप्स, रस्सी जंप, साफ-सफाई, सीढ़ियां चढ़ना-उतरना बिना किसी खतरे के सिंपल वर्कआउट के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। यह कहना है शहर के जाने-माने फिटनेस एक्सपर्ट्स सिद्धार्थ राय का। उन्होंने बताया कि उनसे लोग बारिश में जिम या आउटडोर एक्सरसाइज मिस होने पर फिट रहने इंडोर एक्सरसाइज ऑप्शन पूछते हैं तो उन्हें कुछ घरेलू सामान की मदद से घर पर ही टेम्परी जिम तैयार करने की सलाह देता हूं। घर पर जिम तैयार करना बिल्कुल आसान है, बिना किसी बड़े खर्च के इसे तैयार कर सकते हैं। इन घरेलू जिम इक्विपमेंट्स के तौर पर इस्तेमाल करके खुद को फिट रख सकते हैं। इस तरह से बारिश के मौसम में घर पर भी फिट रहने के लिए इंडोर एक्सरसाइज की सलाह फिटनेस एक्सपर्ट के तौर पर देते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बांडीवेट एक्सरसाइज में स्क्वैट्स, पुशअप्स, लॉज, प्लैंक, और क्रंचेस जैसे व्यायाम कर सकते हैं। वहीं कार्डियो के लिए रस्सी कूदना, इंडोर साइकिलिंग एवं योग लाभकारी है। अगर

हैंड टॉवल को बनाएं स्लाइडर

जिम में आप जिन एक्सरसाइज के लिए स्लाइडर का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें घर पर हैंड टॉवल की मदद से कर सकते हैं। इसके लिए आप एक जोड़ी हैंड टॉवल लें और टॉवल को फर्श पर रख कर हाथों या पैरों के नीचे दबाकर पाइक्स, नी-टक्स या फिर माउंटेन क्लाइम्स जैसी एक्सरसाइज करें।



स्ट्रेचिंग की बात करें तो स्ट्रेचिंग से शरीर को लचीला बनाए रखने में मदद मिलती है। हाइड्रेटेड रहें, खूब पानी पिएं, घर की साफ-सफाई, डस्टिंग, मॉपिंग, सीढ़ियां चढ़ना-उतरना जैसे काम करके घर पर ही फिट रहा जा सकता है।

रस्सी बन जाएगी सस्पेंशन ट्रेनर

कपड़े सुखाने वाली मजबूत रस्सी का उपयोग आप होम जिम में वर्कआउट के लिए कर सकते हैं। सस्पेंशन ट्रेनर के लिए जिस रस्सी का उपयोग किया जाता है, उसकी लंबाई आठ फीट होनी चाहिए। छत या यार्ड पर एक मजबूत होल्डिंग प्वाइंट ढूँढें और रस्सी के छोर को उसमें बांध दें, उससे स्वचालित या इनवर्टेड रोज या फिर प्लंज ट्राय करें।

कार्डियो के लिए काम आएंगी सीढ़ियां

घर पर ट्रेड मिल की कमी को दूर करने और कार्डियो के लिए आप सीढ़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। सीढ़ियों का इस्तेमाल कर आप पैरों की एक्सरसाइज करें। इस दौरान अपनी स्पीड और काउंटिंग पर ध्यान देना न भूलें। बेहतर होगा कि शुरुआत में आप धीमी स्पीड के साथ सीढ़ियां चढ़ें व उतरें, तब आपके पैर सेट हो जाए तो धीरे-धीरे अपनी स्पीड बढ़ाएं।



धर्म लाइव

सुंगधित फूलों से भक्तों ने सजाया ठाकुरजी का श्रीधाम



रायपुर। 'गुलाब, गेंदा और चमेली जैसे विविध सुगंधित फूलों से प्रमुख तिथियों की महत्ता स्वरूप उत्सव मनाने की परंपरा श्री गिरिराज मंदिर से जुड़ी है। पुरुषोत्तम मास में बुधवार को ठाकुरजी की सगाई के चलते भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। गुरुवार और शुक्रवार की शाम विवाह उत्सव और श्रृंगार दर्शन में वैष्णवजन सपरिवार शामिल हुए। ठाकुरजी के संकीर्तन और कथा प्रसंग को सुनने के लिए भी लोग पहुंचे। वहीं शाम को मनोरथ दर्शन के लिए भीड़ रही। भक्तों की श्रृंखला हर वर्ग के लोग शामिल हुए।' इन दिनों श्री गिरिराज मंदिर बुढ़ापारा में उत्सव की धूम है। भक्त परिवार जहां मुंबई और कोलकाता से मंगाए गए सुगंधित फूलों से दिव्य श्रृंगार करते हुए ठाकुरजी का श्रीधाम सजा रहे हैं। वहीं, पुरुषोत्तम मास की तिथिगत महत्ता अनुरूप जेष्ठ पुरुषोत्तम मास की श्रृंखला में कृष्ण पक्ष की नवमी, दशमी एवं एकादशी के दिन अलग-अलग तिथियों से जुड़ी महत्ता की कड़ी में विवाह

ठाकुरजी का हर दिन विशेष श्रृंगार

वैष्णवजन ठाकुरजी की सेवा में समय बीता रहे हैं। वहीं मंदिर से जुड़े लोग व्यवस्था और सेवा का दायित्व निभा रहे हैं। इसमें ठाकुरजी का श्रृंगार दर्शन सबसे मनमोहक होता है। तिथिगत महत्त्व से जुड़े दिन को उत्सव और महोत्सव की तरह मनाने में भक्त सहयोगी भी कर रहे हैं। इसमें महिलाओं की सहभागिता से श्रृंगार किया जा रहा है। व्यवस्थागत तैयारी का कामन वैष्णवजन संभाल रहे हैं।

उत्सव भी बनाया गया। इसके चलते मंदिर प्रांगण में संकीर्तन और जयघोष की गूंज रही। इस अवसर को खास बनाने के लिए श्री गिरिराज मंदिर को विविध फूलों और तोरण से सजाया। मोतियों, रत्नों से ठाकुरजी का दिव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर के प्रवेश द्वार से लेकर ठाकुरजी के श्रीधाम तक प्रकृति अद्भुत छटा बिखरी, जहां दर्शनार्थियों की भीड़ रही।

हल्दी मिश्रित दूध और दही का छिड़काव

इससे पहले भक्तों एवं वैष्णवजनों पर हल्दी मिश्रित दुग्ध एवं दही का छिड़काव किया गया। विभिन्न प्रकार पकवान का भोग लगाया गया। मनोज नरयानी ने बताया कि गुरुवार को विवाह महोत्सव में हर वर्ग के लोगों ने भाग लिया। सगाई की रस्में भी वैष्णव जनों द्वारा निभाई गईं। सुबह गिरिराज प्रभु का 51 लीटर दूध से अभिषेक किया गया। इसमें पं. सोमनाथ चतुर्वेदी के सानिध्य में भक्तों ने सेवा दी। इसके साथ ही प्रतिदिन भागवत पाठ में वैष्णवजन भी विधिवत सहभागिता भी निभा रहे हैं।

वैष्णवजनों में मनोरथ दर्शन करने होड़

शुक्रवार को भी मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक और श्रृंगार करवाने के बाद वैष्णवजनों में दर्शन लाभ के लिए होड़ मची। लोग ठाकुरजी की एक झलक पाने के लिए उत्साही नजर आए। सुबह भोग पूजा और श्रृंगार के बाद श्रीमद् भागवत कथा पाठ करने में लोग सहयोगी भी बने। इस वातावरण के चलते श्री गिरिराज मंदिर प्रांगण महा महोत्सव में ठाकुरजी का धाम अलौकिक प्रतीत हो रहा। लोग हर तिथि को महत्त्व स्वरूप ही उत्सव का रूप देने में सहयोगी भी बन रहे हैं।

यूथ में स्मार्ट गैजेट्स का क्रेज, म्यूजिक के साथ बुक्स रीडिंग और ग्रुप स्टडी में कर रहे इस्तेमाल

लाइब्रेरी, कॉलेज कैंपस में पढाई करते समय हर दूसरा स्टूडेंट्स किसी न किसी मोबाइल गैजेट्स का इस्तेमाल करता दिख जाएगा। स्वयं व दूसरों के ध्यान को स्टडी टाइम में भटकने से बचाने स्टूडेंट्स अब तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके लिए उनमें मोबाइल गैजेट्स जैसे म्यूजिक हेडफोन, ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स का उपयोग प्रमुख रूप से बढ़ा है।

रायपुर। आजकल शहर की लाइबरियों ऑक्सी रीडिंग स्मार्ट सह लाइब्रेरी मोतीबाग, सेंट्रल लाइब्रेरी, नालंदा आक्सी रीडिंग जोन, जिला लाइब्रेरी में अधिकांश मेंबर्स लैपटॉप, टेबलेट, मोबाइल के अलावा म्यूजिक हेडफोन, ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स से लेस होकर आ रहे हैं। वे लाइब्रेरी में स्टडी के दौरान हेडफोन से म्यूजिक सुनने के साथ बुक्स रीडिंग कर रहे हैं। वहीं पढ़ाई करते वक्त किसी से बात करनी हो या कॉल अटेंड करना हो तो साइलेंटली ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स का उपयोग कर रहे हैं। इन मोबाइल गैजेट्स के इस्तेमाल, कीमत व उपयोगिता को लेकर शहर के अलग-अलग लाइबरियों में पहुंचने वाले स्टूडेंट्स से बातचीत की गई तो इन गैजेट्स के उपयोगिता के बारे में स्टूडेंट्स का कहना है कि यह इन सभी मोबाइल गैजेट्स से उन्हें एडवांस एजुकेशन में काफी मदद मिली है। खासतौर पर बुक्स रीडिंग के समय कंसन्ट्रेशन सबसे जरूरी होता है, ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स, हेडफोन स्टडी टाइम में बाहरी गतिविधियों से प्रभावित होने से बचाने में लाजवाब है।

इन गैजेट्स की खूब डिमांड

स्टूडेंट्स सिटी के मोबाइल शोरूम पहुंचकर या ऑनलाइन से म्यूजिक हेडफोन, ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स जैसे गैजेट्स सस्ते दरों पर खरीद रहे हैं। सिटी के रवि भवन मोबाइल शोरूम के संचालकों से बता किया तो 550 रुप से लेकर 1 हजार 1500 तक म्यूजिक हेडफोन, ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स ब्रांड्स के हिसाब से अलग-अलग रेंज पर उपलब्ध हैं।

स्टडी टाइम में म्यूजिक हेडफोन, ब्लूटूथ कॉलिंग स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स का उपयोग



स्मार्ट स्टडी के लिए बेस्ट विकल्प ऑक्सी रीडिंग स्मार्ट सह लाइब्रेरी मोतीबाग, एनआईटी रोड, सेंट्रल लाइब्रेरी, नालंदा आक्सी रीडिंग जोन, जेएन पांडेय स्कूल कैंपस स्थित जिला लाइब्रेरी के संबंधित प्रबंधन अधिकारियों का कहना है कि पंजीकृत सदस्यों को बुक रीडिंग व उनके स्टडी यूज से संबंधित तकनीकी गैजेट्स के लाने पर कोई रोक-टोक नहीं है। अपनी सुविधानुसार स्टूडेंट्स मैनुअल व तकनीकी सिस्टम का उपयोग करते हुए तैयारी कर सकते हैं।

रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्ल्स संतोषी नगर, रायपुर

9200003357, 7999898750

Kinkor, KINKO, C.R.L PUMPS, JAMES

मोटर वॉरंटिंग, वाटर पंप, रिपेयरिंग कार्ड किया जाता है।

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए

(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

मोटवानी फायनेंस 93404-44755

गली नं. 03, रिंघी कॉलोनी, तेलीबांच, रायपुर

किचन केयर

किचन प्लेटफॉर्म पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए आजमाएं टिप्स



आप कुछ फ्राई कर रही हों या फिर तड़का लगा रही हों, तेल के दागों से सबसे ज्यादा गंदा होता है स्लैब या प्लेटफॉर्म। मगर आप बहुत आसानी से किचन प्लेटफॉर्म को आसानी से साफ कर सकती हैं।

बर्फ और नमक करेगा सफाई

जले हुए या पके हुए तेल के निशान पर अगर आप सीधे क्लीनर डालते हैं तो वो कभी-कभी गहरे निशान छोड़ देता है। ऐसे में पहले बर्फ से उस हिस्से को ठंडा करें, जिससे तेल सख्त हो जाए और फिर नमक से उसे स्क्रब करें।

क्या करें: इसके लिए पहले प्लेटफॉर्म को एक बार कपड़े से साफ करें। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर बर्फ के टुकड़े दाग पर कुछ सेकंड रगड़ें। फिर मोटा नमक डालकर थोड़ी देर रगड़ें। ये तेल को हटाने में मदद करेगा। इसके बाद डिश सोप से प्लेटफॉर्म को साफ कर लें।

मसालों के दाग

चाय की पत्ती और डिश सोप से होगी बेहतर सफाई: बची हुई चाय की पत्ती इस बार फेंकें नहीं, बल्कि उससे प्लेटफॉर्म को साफ कर लें। इसके साथ आप डिश सोप से चिकनाई को हटा सकेंगी।

कैसे करें इस्तेमाल



उसमें कुछ बूंदें डिश सोप मिलाएं।अब इस मिक्सचर को सीधे दाग वाली जगह पर रगड़ें।सर्कुलर मोशन में स्क्रब करें। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर गीला कपड़ा लगाएं फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। यह तरीका खासतौर पर ग्रेनाइट पत्थर पर प्लेटफॉर्म पर अच्छा काम करता है।

राख और नींबू का देसी उपाय

पहले के समय में बर्तन मांजने के लिए लोग राख का इस्तेमाल करते थे। उसी तरह यह किचन प्लेटफॉर्म की सफाई में भी मदद करता है। आप इसके साथ-साथ नींबू की मदद भी ले सकती हैं।

कैसे करें इस्तेमाल: थोड़ी-सी सूखी लकड़ी की राख लें। उसमें नींबू का रस मिलाएं। अब नींबू का छिलके पर यह मिश्रण लगाकर दाग पर रगड़ें और कुछ मिनट छोड़ दें। फिर गीले कपड़े से पोंछ दें। यह तरीका खासतौर पर पुराने दागों पर कारगर होता है।

एल्युमिनियम फॉइल और डिशवॉशिंग लिक्विड आएगा काम



क्या आपको पता है कि एल्युमिनियम फॉइल कितनी अच्छी तरह से आपके सफाई के काम को आसान बना सकती है। इसके लिए आपको ज्यादा सामग्री की आवश्यकता भी नहीं होगी।

कैसे करें: एक टुकड़ा एल्युमिनियम फॉइल पेपर लें और उसे क्रश करके बॉल बना लें। प्लेटफॉर्म को थोड़ा-सा गीला करें और फिर उसमें फॉइल की बॉल को रगड़ लें। अब प्लेटफॉर्म पर डिश लिक्विड लगाएं और फिर पेपर से दाग को मिटाने की कोशिश करें। इसके बाद एक बार गीले कपड़े से और फिर साफ कपड़े से पोंछ दें।

कॉर्नस्टार्च से करें किचन प्लेटफॉर्म की सफाई

बैकिंग सोडा की तरह कॉर्नस्टार्च भी सफाई के काम आ सकता है। यह ग्रेनाइट के पत्थर पर बड़ी अच्छी तरह काम करता है।

क्या करें: आप सबसे पहले कॉर्नस्टार्च के साथ पानी का मिक्सचर बनाएं। इस पेस्ट में ज्यादा पानी न डालें। इसे दाग लगे हुए प्लेटफॉर्म पर फैला लें और चिकनाई सोखने तक इंतजार करें। इसके बाद इसके ऊपर डिश सोप का पानी छिड़कर स्टील के स्क्रब से साफ करें।

डायटीशियन ने बताए इंसुलिन रेंजिस्टेंस से निपटने के सबसे असरदार तरीके

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही इंसुलिन रेंजिस्टेंस की समस्या, देश में 'साइलेंट एपिडेमिक' का रूप ले रही

इंसुलिन रेंजिस्टेंस केवल ब्लड शुगर की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे मेटाबॉलिक सिस्टम को प्रभावित करने वाली स्थिति है। आपको जरूर जानना चाहिए कि इससे क्या दिक्कतें होती हैं और इंसुलिन रेंजिस्टेंस को कैसे सुधारा जा सकता है

इंसुलिन रेंजिस्टेंस की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है, भारत भी इससे काफी प्रभावित है। मंडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत में ये एक 'साइलेंट एपिडेमिक' की तरह बढ़ती जा रही है। अनुमानित तौर पर भारत में हर 4 में से 1 वयस्क इंसुलिन रेंजिस्टेंस का शिकार है।

इंसुलिन रेंजिस्टेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन हार्मोन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं कर पाती हैं। इससे भोजन से प्राप्त ग्लूकोज ऊर्जा में बदलने के बजाय खून में ही बढ़ने लगता है। ब्लड शुगर का स्तर हाई होने के कारण डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल-खानपान की आदतें गड़बड़ होती जा रही हैं, बैठकर काम करना बढ़ गया है वहीं शारीरिक गतिविधियां कम होती जा रही हैं, इन सभी का असर सीधे तौर पर सेहत पर पड़ता है। ये इंसुलिन रेंजिस्टेंस का



खतरा भी बढ़ा देती है। अच्छी बात ये है कि खान-पान और लाइफस्टाइल में अगर सुधार कर लिया जाए तो इसके खतरों को काफी कम किया जा सकता है।

इंसुलिन रेंजिस्टेंस और इसके कारण होने वाली समस्याएं

इंसुलिन रेंजिस्टेंस को आमतौर पर हम केवल ब्लड शुगर की समस्या मानते रहते हैं, हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमारे पूरे मेटाबॉलिक सिस्टम को प्रभावित करने वाली स्थिति हो सकती है।

इंसुलिन रेंजिस्टेंस के शिकार लोगों को लगातार थकान, पेट की चर्बी बढ़ने, मीठा खाने की ज्यादा इच्छा होना और वजन से संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। डायटीशियन नमृता सिंह कहती हैं, सही खानपान, नियमित व्यायाम, बेहतर नींद और वजन को कंट्रोल करने जैसे उपाय इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मददगार हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे लोगों को क्या उपाय करते रहना चाहिए?

हरे पत्तेदार सब्जियां जरूर खाएं

पत्तेदार हरी सब्जियां इंसुलिन रेंजिस्टेंस को नियंत्रित करने में अत्यधिक प्रभावी मानी जाती हैं। इनमें कार्बोहाइड्रेट कम होता है, जबकि



ये फाइबर और मैग्नीशियम से भरपूर होती हैं, जो इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाती हैं।

पालक मैग्नीशियम से भरपूर होता है जो ग्लूकोज के मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करता है और इंसुलिन सिग्नलिंग को बेहतर बनाता है। इसी तरह मेथी के पत्तों में घुलनशील फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो शुगर के अवशोषण की गति को काफी धीमा कर देता है।

फाइबर और प्रोटीन वाली युक्त चीजें ज्यादा खाएं



धीमा करता है और इंसुलिन की जरूरतों को कम कर सकता है। ओट्स, दालें, बीन्स, चिया सीड्स, फल और सब्जियां इसके अच्छे स्रोत हैं। इसके अलावा फाइबर वाली चीजें पेट को लंबे समय तक भरा रखने में भी सहायक हैं, जिससे ओवरईटिंग कम होती है और वजन को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। इसी तरह प्रोटीन वाली चीजें भूख को नियंत्रित करने और मांसपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती हैं। स्वस्थ मांसपेशियां ग्लूकोज के बेहतर उपयोग में सहायक मानी जाती हैं।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट कम खाएं

व्हाइट ब्रेड, मैदा, मीठे पेय और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ जैसी रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाती हैं। इससे इंसुलिन का स्तर भी तेजी से बढ़ सकता है। इनकी जगह साबुत अनाज, ब्राउन राइस, जौ, बाजरा और ओट्स जैसे कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ बेहतर विकल्प माने जाते हैं।

पावर लिफ्टिंग में जुटे विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी



रायपुर। रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एवं छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में सुन्दर नगर स्थित कुर्मी छात्रावास भवन में प्रतियोगिता रखी गई। मुख्य अतिथि जौन अध्यक्ष 5 नगर निगम के अम्बर अग्रवाल और विशेष अतिथि ब्राम्हण पारा वार्ड के पार्शद अजय साहू ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के मुख्य निर्वाचक रुद्र नारायण ओडिशा, अशोक जामवाल जम्मू एंड कश्मीर, रमन शर्मा, वेस्ट बंगाल से अनूप यदु, अनिबन नंदी और झारखंड से कन्हैया कुमार सिंह थे। प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम और मणिपुर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 53,59,66,74 वजन के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सीसीपीएल में बिलासपुर बुल्स की टीम पहुंची फायनल में, बस्तर बायसंस की 7 विकेट से हार

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सी.सी.पी.एल.) के तृतीय संस्करण का आयोजन 03 जून से 14 जून तक शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में जारी है।

12 जून शुक्रवार को पहला सेमी फायनल मैच बस्तर बायसंस तथा बिलासपुर बुल्स के मध्य खेला गया। बिलासपुर बुल्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। बस्तर बायसंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 18.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर केवल 112 रन बनाये। बस्तर बायसंस की शुरुआत काफी खराब रही, उनके प्रारंभिक बल्लेबाज 17 रन पर पवेलियन लौट गये। उसके बाद निरंतर अंतराल में विकेट गिरते रहे। बस्तर बायसंस की ओर से अब्दुल अनस खान ने 29 रन तथा अमय मोरे ने 19 रन बनाये। बिलासपुर बुल्स की ओर से रुद्र प्रताप देहारी तथा मोहित राउत ने 3-3 विकेट प्राप्त किये, जिसमें मोहित राउत की शानदार हैट्रिक भी सम्मिलित है। केवल 113 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स रने 15.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर 113 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया एवं फायनल में प्रवेश किया। बिलासपुर बुल्स की ओर से विकल्प तिवारी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 53 रन नाबाद बनाये। उनके अतिरिक्त अभिजीत ताह ने 22 रन तथा आयुष पांडेय ने 21 रनों का योगदान दिया। बस्तर बायसंस की ओर से देव आदित्य सिंह ने 2 विकेट प्राप्त किया। बिलासपुर बुल्स ने 7 विकेट से मैच जीत लिया एवं फायनल में प्रवेश किया। बिलासपुर बुल्स ने सीसीपीएल इतिहास में दूसरी बार फायनल में प्रवेश किया। मोहित राउत प्लेयर ऑफ द मैच रहे।



खुशियां मनाती बिलासपुर बुल्स की टीम



विकल्प तिवारी 53 रन



मोहित राउत प्लेयर ऑफ द मैच

कार्नर न्यूज

जानें कौन-सी चीजें लेना सही होगा आपके लिए

ऑनलाइन सेल में आप कौन सा गैजेट्स ले रहें हैं यह पहले अच्छी तरह जान लें, नहीं तो सौदा पड़ सकता है भारी



में आपको कौन सी वो चीजें नहीं खरीदनी चाहिए, यह जरूर जानिए।

बहुत सस्ते या फेक स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड्स

ऑनलाइन सेल में अक्सर आपको बहुत कम कीमत पर स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड्स के ढेर सारे विकल्प मिल जाते हैं। इनमें से कई ऐसे होते हैं जो किसी अज्ञात ब्रांड के होते हैं या फिर

चाइनीज रिब्रांडेड प्रोडक्ट होते हैं। ये दिखने में तो महंगे स्मार्टवॉच जैसे लगते हैं, लेकिन इनकी क्वालिटी, बैटरी लाइफ और परफॉर्मेंस बेहद खराब होती है। इनमें सही सेंसर नहीं होते, जिससे आपकी स्वास्थ्य संबंधी रीडिंग गलत आ सकती है। इसके अलावा, कई बार ये आपके स्मार्टफोन से ठीक से कनेक्ट नहीं हो पाते या कनेक्टिविटी इश्यूज आते रहते हैं। कुछ समय बाद ये खराब हो जाते हैं और इन्हें रिपेयर कराना भी मुश्किल होता

है। हमेशा किसी भरोसेमंद ब्रांड के स्मार्टवॉच या फिटनेस बैंड ही खरीदें। रिव्यूज को ध्यान से पढ़ें और सुनिश्चित करें कि वह असली प्रोडक्ट है।

अनब्रांडेड या बहुत सस्ते पावर बैंक

आजकल स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ पावर बैंक एक जरूरी गैजेट बन गया है। ऑनलाइन सेल में आपको 500-700 रुपये में भी 20,000mAh के पावर बैंक मिल जाते हैं। ऐसे सस्ते और अनब्रांडेड पावर बैंक में अक्सर कम गुणवत्ता वाली बैटरी सेल्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनकी कैपेसिटी उतनी नहीं होती जितनी बताई जाती है, और ये बहुत जल्दी खराब हो जाते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ये पावर बैंक ओवरचार्जिंग, शॉर्ट-सर्किट या हीटिंग के कारण आग लगने या फटने का



जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिससे आपके फोन को भी नुकसान हो सकता है। हमेशा ब्रांड वाले पावर बैंक ही चुनें। साथ ही, हमेशा बीआईएस प्रमाणित पावर बैंक खरीदें।

वायरलेस ईयरबड्स का चलन तेजी से बढ़ा है, और ऑनलाइन सेल में इन पर भारी छूट देखने को मिलती है। कई बार आपको 500-1000 रुपये में भी वायरलेस ईयरबड्स मिल जाते हैं। सस्ते ईयरबड्स में अक्सर घटिया क्वालिटी के ड्राइवर होते हैं।



करियर को नई उड़ान देने एआई से जुड़े कोर्स पर दीजिए ध्यान

अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में बारहवीं पास करने के बाद से ही रास्ते खुल जाते हैं। एआई में करियर बनाने के लिए, आपको मैथ और प्रोग्रामिंग की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपके पास ये स्किल्स नहीं हैं, तो आप उन्हें ऑनलाइन पाठ्यक्रम या बूट कैंप के माध्यम से सीख सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐसी मशीनें बनाने का 3 विज्ञान है, जो इंसानों की तरह सोच सकती हैं और स्मार्ट वर्क कर सकती हैं, जिसका आधुनिक समय में वेब सर्च इंजन, गूगल सर्च, रोबोटिक्स, यूट्यूब, नेटफ्लिक्स, सेल्फ-ड्राइविंग कार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। यह टेक्नोलॉजी मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन, डीप लर्निंग जैसे खास तकनीकों के आधार पर काम करती है।

बारहवीं के बाद करें

अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में करियर



बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में बारहवीं पास करने के बाद से ही रास्ते खुल जाते हैं। इसके बाद आप चार वर्षीय बीटेक इंजीनियरिंग कर सकते हैं। बीटेक में दाखिला के लिए आईआईटी-जेईई की परीक्षा आयोजित करायी जाती है। वैसे इस डोमेन में प्रवेश के लिए आप बीएससी कोर्स भी कर सकते हैं। एआई के क्षेत्र में विशेषज्ञता पाने के लिए आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट या एमटेक कोर्स भी कर सकते हैं। एमटेक के लिए ग्रेजुएट एंटीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग यानी गेट के द्वारा अच्छे कॉलेज में प्रवेश मिलता है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की समझ

एआई के डोमेन में करियर बनाने के लिए आपको प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डाटा साइंस के ज्ञान के साथ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के रूप में पाइथन, जावा और सी++ का ज्ञान जरूरी है। लीनियर अलजेब्रा, प्रोबेबिलिटी और स्टेटिस्टिक्स का ज्ञान उतना ही जरूरी है। मशीन लर्निंग अल्गोरिथम, न्यूट्रल नेटवर्क के साथ स्पार्क और अन्य बड़े डाटा टेक्नोलॉजी के रूप में हडूप, कसेन्ड्रा, मोंगो डीबी जैसे ओपन सोर्स डेटाबेस का ज्ञान भी जरूरी है। नुमपी एल्गोरिदम, अपाचे स्पार्क, टेन्सर फ्लो जैसे आधुनिक प्रेमवर्क की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

एआई के ट्रेडिंग कोर्स

आप आईआईटी, मद्रास से एडवांस सर्टिफिकेशन इन डाटा साइंस एंड एआई, आईआईएम, कोलकाता से एआई इन मैनुफैक्चरिंग, आईआईआईटी, हैदराबाद से एआई और मशीन लर्निंग में पीजी लेवल का सर्टिफिकेट कोर्स आदि कोर्स कई शैक्षणिक संस्थानों से कर सकते हैं। एआई के लिए ये हैं 5 कोर्स - फाउंडेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, पीजी प्रोग्राम इन मशीन लर्निंग एंड एआई,पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डीप लर्निंग,फुल स्टैक मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम और पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग।



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

टॉम हैक्स ने द्वितीय विश्व युद्ध को लेकर की बात, कहा- मैं इस बारे में सोच रहा हूं

हॉलीवुड स्टार टॉम हैक्स का द्वितीय विश्वयुद्ध से गहरा नाता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक घटना पर आधारित कई ऑस्कर विजेता फिल्मों और लोकप्रिय टीवी सीरीज में एक्टिंग, निर्माण और निर्देशन किया है। उनका मानना है कि वो इस बात से जुड़ा रहे हैं कि वो द्वितीय विश्व युद्ध से कविता, सुकून और ज्ञान क्यों पाते हैं? अभिनेता ने 1998 में स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म 'सेविंग प्राइवेट रायन' में अपने पहले ऐतिहासिक संघर्ष से जुड़े प्रोजेक्ट के बारे में बात की। तब से टॉम हैक्स ने युद्ध पर आधारित मिनी सीरीज 'बैंड ऑफ ब्रदर्स', 'द पैसिफिक' और 'मास्टर्स ऑफ द एयर' को बनाया है। साथ ही नौसैनिक युद्ध पर आधारित थ्रिलर 'ग्रेहाउंड' में एक्टिंग भी की। अब उन्हें 'द हिस्ट्री चैनल' की डॉक्यूमेंट्री 'वर्ल्ड वॉर II विद टॉम हैक्स' में नैरेट करते हुए सुना जा सकता है। हॉलीवुड रिपोर्टर से द्वितीय विश्व युद्ध से संबंधित प्रोजेक्ट्स से जुड़ने के बारे में बात करते हुए टॉम ने कहा, 'मैं हाल ही में इस बात से जुड़ा रहा हूं। रात में खुद के उन पलों में मैं खुद से पूछता हूं कि मैं बार-बार कविता, सुकून और ज्ञान के उस संयोजन के लिए इसकी ओर क्यों मुड़ता हूं?' फीमेलफर्स्ट डॉट यूके की रिपोर्ट के मुताबिक, हैक्स का मानना है कि इसका कारण उस समय की दुनिया और आज की दुनिया के बीच की समानताएं होनी चाहिए। टॉम ने आगे कहा कि यह 2026 में हमारे सामने मौजूद स्पष्ट विकल्पों के बारे में अधिक होना चाहिए, न कि इस बारे में कि 1930 के दशक में उन साहसी लोगों ने क्या किया था।

टॉलीवुड

नागा और प्रकाश की तकरार के बीच रामू की टिप्पणी, चर्चा में हैं तीनों की बातें

बीते दिनों नागा बाबू ने पवन कल्याण की तस्वीर साझा करते हुए एक टिप्पणी की थी। इस पर प्रकाश राज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। अब प्रकाश राज के कमेंट पर राम गोपाल वर्मा ने चुप्पी तोड़ी है। लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा तमाम मुद्दों पर काफी मुखर होकर अपनी राय देते हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर वे अक्सर सुर्खियां बटोरते हैं। इस बीच उन्होंने प्रकाश राज की एक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। बताते चलें कि प्रकाश राज की टिप्पणी जन सेना पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और एमएलसी नागा बाबू के एक पोस्ट को लेकर है। जानिए क्या है पूरा मामला? राम गोपाल वर्मा की प्रतिक्रिया समझने से पहले मसला समझ लेते हैं। दरअसल, इसके तार सियासत से जुड़े हैं। बीते दिनों नागा बाबू ने पवन कल्याण की एक तस्वीर अपने एक्स अकाउंट से साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'एक लीडर की बात आखिरी होती है। उसके रास्ते में किसी ने शैतान और राक्षस नहीं देखे। सिर्फ वही जानता है कि क्या सही है और क्या गलत। संदेह करना बंद करो। अपनी जबान बंद रखो और बिना सवाल किए लीडर के पीछे चलो।' उनके इस पोस्ट ने खूब सुर्खियां बटोरीं। बता दें कि नागा बाबू पवन कल्याण के बड़े भाई हैं और मेगास्टार चिरंजीवी के छोटे भाई हैं। नागा बाबू के इस पोस्ट को साझा करते हुए प्रकाश राज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'आपका क्या मतलब है? हम भेड़ नहीं हैं, हम गुलाम नहीं हैं। लोकतंत्र में सवाल करना हर नागरिक का अधिकार है। किसी भी नेता की जिम्मेदारी होती है कि वह लोगों को जवाब दे'। प्रकाश राज की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। नागा बाबू का यह पोस्ट और उस पर प्रकाश राज की टिप्पणी सोशल मीडिया पर हॉट टॉपिक बना है।

भोजपुरी

कास्टिंग काउच पर खेसारी ने ‘गीता कसम’ की बात कही

वक्त वक्त पर एक्ट्रेस भोजपुरी सिनेमा में कास्टिंग काउच और कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाती रहती हैं। अब इन आरोपों पर खेसारी लाल यादव भड़क उठे हैं। उन्होंने कहा है कि भोजपुरी इंडस्ट्री की हीरोइनें कहती हैं कि यहां कॉम्प्रोमाइज करने को कहा जाता है। पर सब यही कहती हैं कि मैंने नहीं किया। तो आपने जब किया नहीं तो किया किसने? भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने दावा किया है कि उनकी इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हर हीरोइन कहती है कि भोजपुरी इंडस्ट्री में काम के लिए कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता है, यहां कास्टिंग काउच होता है। पर सभी कहती हैं कि मेरे साथ नहीं हुआ। खेसारी ने सवाल उठाया कि जब सभी कह रही हैं कि उनके साथ नहीं हुआ तो ये हुआ किसके साथ है। खेसारी ने कहा कि ये भोजपुरी प्रोड्यूसर्स-डायरेक्टर्स और एक्टर्स को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर ये इंडस्ट्री इतनी गंदी हो तो इसे छोड़ क्यों नहीं देते। कुछ वक्त पहले पवन सिंह और अंजलि राघव का विवाद हुआ था। स्ट्रेज पर एक्ट्रेस को गलत तरीके से छूने के मामले में पवन सिंह को माफ़ी मांगनी पड़ी थी। इस विवाद के बीच अंजलि ने भोजपुरी इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला कर लिया था। जिंगाबाद को लिए इंटरव्यू में इसी को लेकर खेसारी लाल यादव से सवाल हुआ तो उन्होंने कहा, 'ये हमेशा होता है। आप जिस हीरोइन से पूछेंगे कि भोजपुरी इंडस्ट्री में कॉम्प्रोमाइज चलता है? कास्टिंग काउच चलता है? तो साफ कहेंगे कि 'हां चलता है, पर मैंने नहीं किया।

लंदन की बहार



लंदन फैशन वीक साल में दो बार होने वाले वैश्विक महत्व का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। इनमें जनवरी से मार्च और जुलाई से सितंबर के बीच होने वाले आयोजन में फैशन के क्षेत्र में नए प्रयोगों के लिए इसे एक विशिष्ट मंच माना जाता रहा है। ब्रिटिश फैशन काउंसिल द्वारा आयोजित यह एक ऐसा मंच है, जहाँ स्थापित और उभरते हुए डिजाइनर अपने नवीनतम कलेक्शन पेश करते हैं। इस तरह यह रचनात्मक अभिव्यक्ति और अभूतपूर्व डिजाइन की एक समृद्ध विरासत को बढ़ावा देता है।

नई पीढ़ी को भा रही हैं विंटेज वॉच, फिर लौटा बीते दौर का जादू

आज की युवा पीढ़ी ऐसी चीजें अधिक पसंद कर रही है, जिसमें कोई कहानी या फिर इतिहास छिपा हो। विंटेज वॉच सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक इमोशनल और स्टाइल स्टेटमेंट भी बन चुकी हैं। 1940 से 1990 के दशक की विंटेज घड़ियां आज की युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। क्लासिक डिजाइन, रॉयल लुक और सस्टेनेबल फैशन की वजह से इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। क्या आपको अपनी पहली घड़ी याद है? शायद वह अब फैशन में न हो, लेकिन पुराने दौर का वही क्लासिक डिजाइन आज फिर से ट्रेंड बन चुका है। स्मार्टफोन के दौर में जहां लोग हर समय देखने के लिए मोबाइल पर निर्भर हो चुके हैं, वहीं आज की युवा पीढ़ी फिर से विंटेज वॉच की ओर लौट रही है। 1940 से 1990 के दशक की घड़ियां अब सिर्फ समय देखने का साधन नहीं रहीं, बल्कि फैशन, स्टाइल और व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुकी हैं। आजकल जेन-जी (आज की युवा पीढ़ी) के बीच इन घड़ियों का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और यही वजह है कि बाजार में विंटेज स्टाइल घड़ियों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

पुरानी घड़ियों का नया फैशन ट्रेंड



एक समय था, जब पुरानी घड़ियों को केवल घर की यादगार चीज माना जाता था, लेकिन अब वही घड़ियां युवाओं की पहली पसंद बन रही हैं। कॉलेज स्टूडेंट्स से लेकर कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स तक, हर कोई विंटेज वॉच पहनना पसंद कर रहा है। इन घड़ियों का डिजाइन आज की मॉडर्न घड़ियों से बिल्कुल अलग होता है। इन घड़ियों का छोटा डायल, लेदर स्ट्रैप, गोल्डन फ्रेम और सिंपल लुक इन्हें बेहद खास बनाता है। इनका क्लासिक

स्टाइल लोगों को रॉयल और एलिगेंट लुक देता है। आज की युवा पीढ़ी ऐसी चीजें अधिक पसंद कर रही है, जिसमें कोई कहानी या फिर इतिहास छिपा हो। विंटेज वॉच सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक इमोशनल और स्टाइल स्टेटमेंट भी बन चुकी हैं।

सस्टेनेबल फैशन का बढ़ता चलन

आजकल लोग बार-बार नई चीजें खरीदने के बजाय लंबे समय तक चलने वाली चीजों को चुन रहे हैं। विंटेज वॉच इस सोच पर पूरी तरह फिट बैठती है। यही कारण है कि सस्टेनेबल फैशन के साथ इनकी लोकप्रियता और बढ़ रही है। इसके अलावा विंटेज वॉच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये हर लुक के साथ आसानी से मैच हो जाती हैं, चाहे फॉर्मल ड्रेस हो, कैजुअल आउटफिट या पार्टी लुक। ये हर स्टाइल में क्लासी टच जोड़ती हैं।

महिलाओं में भी तेजी से बढ़ रहा क्रेज

अब सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी विंटेज वॉच को फैशन का अहम हिस्सा बना रही हैं। स्लिम डायल और एलिगेंट डिजाइन वाली घड़ियां महिलाओं के बीच काफी पसंद की जा रही हैं।

गर्मियों में परफ्यूम ज्यादा देर तक खुशबू बिखरेगा, अपनाएं सही तरीका

गर्मियों में परफ्यूम को लंबे समय तक टिकाने के लिए मॉइस्चराइजर लगाएं, पल्स पाइंट्स पर परफ्यूम स्प्रें करें, कपड़ों पर हल्का इस्तेमाल करें और परफ्यूम को ठंडी जगह पर स्टोर करें। इससे खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। गर्मियों के मौसम में पसीना और तेज धूप की वजह से परफ्यूम की खुशबू ज्यादा देर तक टिक नहीं पाती। कई लोग सुबह महंगा परफ्यूम लगाते हैं, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उसकी फ्रेगेंस गायब हो जाती है। ऐसे में बार-बार परफ्यूम इस्तेमाल करना पड़ता है, जिससे परफ्यूम जल्दी खत्म होने लगता है। सही जगह पर परफ्यूम लगाना, त्वचा को मॉइस्चराइज रखना और सही फ्रेगेंस चुनना बेहद जरूरी माना जाता है। इतना ही नहीं, परफ्यूम स्टोर करने का तरीका भी उसकी क्वालिटी और लॉन्ग-लास्टिंग पर असर डालता है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी खुशबू पूरे दिन बनी रहे और लोग आपकी फ्रेगेंस नोटिस करें, तो ये आसान और असरदार टिप्स आपके बेहद काम आने वाले हैं।



पहले मॉइस्चराइजर लगाएं

ड्राई स्किन पर परफ्यूम ज्यादा देर तक नहीं टिकता। बिना खुशबू वाला मॉइस्चराइजर लगाने से फ्रेगेंस लंबे समय तक बनी रहती है। मॉइस्चराइज स्किन खुशबू को बेहतर तरीके से होल्ड करती है।

पल्स पाइंट्स पर परफ्यूम लगाएं

कलाई, गर्दन और कानों के पीछे परफ्यूम लगाना ज्यादा असरदार माना जाता है। इन जगहों पर शरीर की गर्मी खुशबू को धीरे-धीरे रिलीज करती है। इससे फ्रेगेंस ज्यादा देर तक महसूस होती है।

कार्न न्यूज

जहां आज के समय में लोग अपने स्किन केयर का काफी ध्यान रखते हैं, वहीं इसी बीच अब स्किन फास्टिंग की खबरें भी सामने आ रही हैं। ये क्या है, आइए जानते हैं।आज के समय में त्वचा की सेहत को लेकर लोग बेहद सतर्क हो गए हैं। बाजार में कई महंगे प्रोडक्ट्स और ब्यूटी ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ लोग इसे प्राकृतिक और हल्के तरीके से सुधारना चाहते हैं। इसी के चलते ‘स्किन फास्टिंग’ का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। यह एक ऐसा तरीका है जिसमें त्वचा को रोजमर्रा के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स, हेवी क्रोम्स और केमिकल्स से मुक्त रखा जाता है। स्किन फास्टिंग का उद्देश्य त्वचा को रेस्ट देना, उसे खुद को रिजनरेट करने का समय देना और नेचुरल ग्लो वापस लाना है। यहां आपको बताएंगे ये क्या है और इसके फायदे क्या हैं।

स्किन फास्टिंग क्या है?

स्किन फास्टिंग एक ऐसा तरीका है जिसमें त्वचा को समय-समय पर कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स, जैसे कि



प्राकृतिक तरीकों से भी चाहते हैं स्किन की देखभाल

ब्यूटी इंडस्ट्री का नया ट्रेंड स्किन फास्टिंग अपना रहे लोग, अपनी त्वचा की सेहत को लेकर उठा रहे कदम

मॉइस्चराइजर, मेकअप, सनस्क्रीन और अन्य टॉपिकल केमिकल्स से मुक्त रखा जाता है। इसका उद्देश्य त्वचा को खुद को रीजेनरेट करने का समय देना और प्राकृतिक ग्लो वापस लाना है। इसे सप्ताह में 1–2 दिन अपनाना सबसे सुरक्षित माना जाता है। त्वचा को क्या लाभ मिलता है?

जब त्वचा को आराम मिलता है, तो यह अपने ऑयल बैलेंस को ठीक करने लगती है। स्किन फास्टिंग से पोर क्लियर होते हैं, ब्लैकहेड्स कम होते हैं और प्राकृतिक नमी बनती है। इस प्रक्रिया से सेल रिजनरेशन भी तेज होती है, जिससे नई त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है।

कौन कर सकता है स्किन फास्टिंग?

स्किन फास्टिंग हर प्रकार की त्वचा के लिए फायदेमंद है, लेकिन खासकर ऑयली और एक्ने प्रोन स्किन वालों के लिए यह बेहद उपयोगी है। ड्राई स्किन वाले लोग हल्का मॉइस्चराइजर या हाइड्रेंटिंग फेस मिस्ट इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि अत्यधिक ड्राईनेस से बचा जा सके। शुरुआत में क्या ध्यान रखें? शुरुआत में त्वचा थोड़ी ड्रा या लाल हो सकती है। इसे सामान्य माना जाता है क्योंकि त्वचा अपनी आदतों को

सफेद ड्रेस में दिखें एलिगेंट और ग्लोइंग, जानें स्टाइलिंग टिप्स



आपको सफेद रंग और इस रंग के आउटफिट पहनना पसंद है, लेकिन आपका रंग सफेद में फीका दिखता है। ऐसे में आपको सफेद आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ टिप्स के बारे में जानना चाहिए, ताकि सफेद कपड़ों में आप और आपका आत्मविश्वास निखरकर सामने आए।

सफेद रंग को हमेशा से एलिगेंस, क्लास और सादगी का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि सफेद आउटफिट लगभग हर महिला की वॉर्डरोब का अहम हिस्सा होते हैं। चाहे ऑफिस लुक हो, कैजुअल आउटिंग या पार्टी वियर, सफेद आउटफिट हर मौके पर स्टाइलिश दिखाई देते हैं। लेकिन कई बार सफेद कपड़े पहनते ही चेहरा फीका और पूरा लुक डल नजर आने लगता है, जिस वजह से मन होते हुए भी आप उसे पहनती नहीं हैं। फैशन एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर स्किन टोन के अनुसार आउटफिट का सही व्हाइट शेड, सही मेकअप और परफेक्ट एक्सेसरीज चुनी जाएं, तो सफेद ड्रेस आपके चेहरे की चमक को कई गुना बढ़ा सकती है।

चुनना होगा सफेद का सही शेड

सफेद कपड़े पहनते समय अपनी स्किन टोन के अनुसार सही शेड चुनना जरूरी है, वरना चेहरा डल दिख सकता है। गेहुआ या सांवली त्वचा पर प्योर व्हाइट की बजाय ऑफ-व्हाइट (क्रीम), आइवरी या लाइट बेज शेड बेहतर लगते हैं। ये रंग त्वचा के साथ मेल खाते हैं और चेहरे को नेचुरल ग्लो और सॉफ्ट लुक देते हैं। वहीं, फेयर स्किन पर प्योर व्हाइट, स्नो व्हाइट या क्रिस्प व्हाइट शेड बेहद खूबसूरत लगते हैं। ये चेहरे की चमक बढ़ाते हैं।

सही फैब्रिक का चयन मायने रखता है

सफेद ड्रेस का लुक केवल रंग पर ही नहीं, बल्कि फैब्रिक पर भी निर्भर करता है। गर्मियों के मौसम में कॉटन, लिनन और रेयॉन जैसे हल्के और आरामदायक फैब्रिक सबसे अच्छे विकल्प माने जाते हैं।



अगर आपके बाल ड्राई हैं तो उन्हें गहरी नमी की जरूरत होती है, जबकि ऑयली स्कैल्प वाले लोगों को ऐसा तेल चाहिए जो अतिरिक्त तेल और गंदगी को नियंत्रित करने में मदद करे। वहीं हेयर फॉल और समय से पहले सफेद होने वाले बालों के लिए ठंडक देने वाले और पोषण से भरपूर तेल अधिक फायदेमंद माने जाते हैं। सही तेल न केवल बालों को पोषण देता है बल्कि स्कैल्प को स्वस्थ बनाकर हेयर ग्रोथ को भी बेहतर कर सकता है।



बदल रही होती है। शुरुआती दिनों में दिन का हिस्सा चुनें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। त्वचा को धूप, धूल और प्रदूषण से बचाने के लिए हल्का सनस्क्रीन या शेडो में रहने की सलाह दी जाती है।

स्किन फास्टिंग का लॉन्ग-टर्म फायदा

लगातार स्किन फास्टिंग करने से त्वचा की इम्यूनिटी बढ़ती है, प्राकृतिक ग्लो लौटता है और चेहरे की लाइनें कम दिखाई देती हैं। यह महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स की जगह प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प बन सकता है। इस तरीके से त्वचा अंदर से स्वस्थ और लंबी अवधि तक चमकदार रहती है।